सांध्य दैनिक

4PM

जिद...सच की

मूल्य ₹ 3/-

www.4pm.co.in | www.facebook.com/4pmnewsnetwork | @Editor_Sanjay | YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्षः 9 ● अंकः 13 ● पृष्ठः 8 ● लखनऊ, मंगलवार, 14 फरवरी, 2023

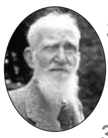

आप अपना चेहरा देखने के लिए आईना प्रयोग करते हैं और अपनी आत्मा देखने को देखने के लिए कलाकृतियां देखते हैं।
–जार्ज बर्नार्ड शा

'भगवा पार्टी वाशिंग मशीन, दागी... 7 | क्या होता है संसद में विशेषाधिकार... 3 | गृहमंत्री बताए केरल में किस तरह का... 2

शर्मनाक : झोपड़ी बचाने को मां-बेटी जलकर मर रही थी

डीएम डांस कर रहीं थीं और सरकार विदेशियों को इंवेस्टमेंट की कहानी सुना रही थी

» एसडीए व लेखपाल निलंबित

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कानपुर देहात। योगीराज में अधिकारी कितने लापरवाह हो गए है उसका जीता-जागता उदाहरण कानपुर देहात के मैथा तहसील की मड़ौली पंचायत के चाहला गांव में देखने को मिला। यहां ग्राम समाज की जमीन से कब्जा हटाने पहुंची पुलिस और प्रशासनिक अफसरों के सामने ही झोपड़ी के अंदर मां-बेटी जिंदा जल गई। जिले की डीएम तक को घटना की जानकारी देर में हुई। ज्ञात हो कि जब यह घटना घटित हो रही थी जिले की डीएम नेहा जैन एक मनोरंजक कार्यक्रम में डांस का आनंद ले रही थीं वहां पर उन्होंने ने भी नृत्य के स्टेप किये। जबकि प्रदेश सरकार यूपी में इंवेस्टमेंट के लिए देश विदेश के लोगों को प्रदेश की कानून व्यवस्था के दुरुस्त होने की कहानी बता रही थी।

उधर प्रदेश सरकार ने जांच के आदेश दिए है। डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने कहा कि दोषियों को बख्शा नही जाएगा और पीड़ित परिवार को हर संभव सरकार की तरफ से मदद की जाएगी। वही सरकार ने एसडीएम व लेखपाल को निलंबित कर दिया गया। मां-बेटी की मौत से आक्रोशित लोगों ने हंगामा करते हुए लेखपाल पर कुल्हाड़ी से हमला कर घायल कर दिया। भीड़ का गुस्सा देख टीम के लोग अपने वाहनों मौके पर छोड़कर भाग गए। इसके बाद आक्रोशितों ने एसडीएम, रुरा इंस्पेक्टर, लेखपाल व तहसीलदार व गांव के 10 लोगों पर हत्या की रिपोर्ट दर्ज किए जाने की मांग करते हुए शवों को नहीं उठने दिया। दरअसल डीएम कार्यालय पहुंचे मड़ौली गांव कुछ लोगों ने गांव के ही कृष्ण गोपाल दीक्षित उर्फ राघव की ग्राम समाज की भूमि पर कब्जा करने की शिकायत की।

योगी जी-यही है कानून का राज

हम निकल पाए, मम्मी व बिट्टी जल गईं

भाई शिवम ने रोते हुए कहा कि एसडीएम, लेखपाल समेत कई अफसर, रुरा इंस्पेक्टर व गांव के कई लोग घटना में शामिल हैं। कहा कि वह भी घटना के वक्त मां व बहन के साथ झोपड़ी में सो रहा था। आग लगने पर वह भागकर आ गया। फिर मां व बहन को बचाने के लिए भीतर गया, लेकिन दोनों के शरीर का वजन ज्यादा था। इसलिए उन लोगों को उठाकर बाहर नहीं ला सका और दोनों की मौत हो गई। इस दौरान कब्जा हटाने आए लोग वहां से भाग गए। शिवम ने साजिश में डीएम समेत कई अफसरों के शामिल होने का भी आरोप लगाया है।

शासन ने तलब की रिपोर्ट

मड़ौली गांव में मां-बेटी के जिंदा जलने की मामले को शासन ने संज्ञान में लिया है। सूत्रों की मानें तो शासन ने डीएम नेहा जैन से पूरे मामले की रिपोर्ट तलब की है। डीजीपी भी एडीजी, आईजी व एसपी से पल-पल के घटनाक्रम की जानकारी लेते रहे।

एसओ व लेखपाल से मिली भगत का आरोप

पत्नी और बेटी की मौत से दुखी कृष्ण गोपाल ने गांव में रहने वाले एक फौजी पर लेखपाल व एसओ से मिलीभगत कर कब्जा हटाने की कार्रवाई कराने का आरोप लगाया है। कृष्ण गोपाल का कहना है कि मामले की शिकायत व अपने और परिवार पर दर्ज एफआईआर को लेकर एसपी से बात करने गया था। एसपी बात सुनने की बजाय उसे मारने दौड़े और कहा भाग जाओ यहां से। डीएम से मिलने गया था, लेकिन उनसे मुलाकात नहीं हो पाई थी।

पीड़ित परिवार से मिलेगा सपा का प्रतिनिधि मंडल

मड़ौली गांव में मां-बेटी की मौत के मामले पर राजनीतिक घमासान भी तेज हो चला है। समाजवादी पार्टी ने एक प्रतिनिधि मंडल का ऐलान किया है, जो पीड़ित परिवार से मिलने जाएगा। समाजवादी पार्टी के विधायक और पूर्व मंत्री शिवपाल सिंह यादव ने सरकार पर हमला बोला है। ट्वीट कर शिवपाल सिंह यादव ने सवाल खड़े किए हैं। शिवपाल ने ट्वीट में कहा है कि कानपुर में अतिक्रमण हटाने पहुंचे प्रशासन के सामने ही मां-बेटी ने आग लगाकर जान दे दी और पुलिस तमाशा देखती रही। अतिक्रमण हटाने व बुलडोजर के जोश में प्रशासन आखिर अपना होश क्यों खो रहा है। क्या महिला सशक्तिकरण व बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ की बात केवल कागजी नीति है? उधर रूरा के मड़ौली गांव में कब्जा हटाने के दौरान मां बेटी के जिंदा जलने के मामले में घटना के करीब 18 घंटे बाद भी अभी तक शव नहीं उठाया जा सका है। स्वजन की मांग है कि मुख्यमंत्री को गांव बुलाया जाए व जो आरोपित मुकदमे में नामजद किए जाएं उनकी गिरफ्तारी हो, तभी शव उठने दिया जाएगा। अधिकारी ग्रामीणों को मनाने में लगे हैं। मंडलायुक्त पूरी रात गांव में रहे।

कई नेता पहुंचे सांत्वना देने

मां-बेटी की मौत की खबर पाकर राज्यमंत्री प्रतिभा शुक्ला और पूर्व सांसद अनिल शुक्ला वारसी मौके पर पहुंचे। दोनों ने दुखी परिवार को सांत्वना दी। साथ ही घटना के बारे में जानकारी लेने के साथ ही हर संभव मदद का भरोसा दिया। राज्यमंत्री ने मामले की निष्पक्ष जांच व सरकारी मदद दिलाए जाने की बात भी पीड़ित परिवार से कही है। सूत्रों के मुताबिक मुख्यमंत्री योगी आदित्य नाथ के आदेश पर राज्यमंत्री मौके पर पहुंची थी। इसके अलावा कई और नेता पीड़ित परिवार को ढांढस बंधाने पहुंचे थे।

गिड़गिड़ता रहा परिवार

हालांकि इस दौरान कृष्ण गोपाल का कब्जा हटाने राजस्व व पुलिस विभाग के अफसर पहुंचे तो पूरा परिवार गिड़गिड़ाते हुए बोला, साहब टाइम तो आप दे सकते हो, हम गरीब लोगों को सताना चाह रहे हो, बहुत वर्षों से यहां रह रहे हैं। अफसर बोले यह सरकारी जमीन है। गरीब आदमी का ऐसे नहीं सताव जात है यह कहकर कृष्ण गोपाल और उसका परिवार अफसरों के सामने गिड़गिड़ता रहा, लेकिन किसी का दिल नहीं पसीजा। अफसर कब्जा हटाते रहे और उनके सामने मां-बेटी जिंदा जल गईं।

यूपी में तानाशाही चरम : कांग्रेस

यूपी में तानाशाही चरम पर है। कानपुर में ब्राह्मण परिवार का मंदिर तोड़ दिया गया, घर पर बुलडोजर चला दिया गया। ब्राह्मण परिवार अधिकारियों के आगे गिड़गिड़ाता रहा... एक न सुनी गई। आखिर में परेशान होकर घर की महिलाओं ने खुद को आग लगा ली... मौत हो गई। योगी के बुलडोजर ने दो लोगों की जान ले ली।

फोर्स व पीएसी तैनात

मां-बेटी की जिंदा जलने की घटना के बाद गांव में तनाव की स्थिति बन गई। कोई अप्रिय घटना न हो इसलिए रूरा, शिवली, डेरापुर, रसूलाबाद, अकबरपुर, मंगलपुर थानों की फोर्स, एसओजी, क्यूआईटी समेत भारी संख्या में पुलिस बल और पीएसी को गांव में तैनात किया गया है। खुफिया के लोग भी गांव के गतिविधियों पर नजर बनाए हुए हैं। प्रदेश के बड़े पुलिस और प्रशासनिक अफसरों के साथ एडीजी, आईजी, मंडलायुक्त मड़ौली पहुंचे।

मैं नरेन्द्र मोदी से नहीं डरता : राहुल

कहा-पीएम के लिए कोई अपशब्द प्रयोग नहीं किए

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

वायनाड। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने दहाड़ते हुए कहा कि कहा कि मैं नरेन्द्र मोदी से नहीं डरता। प्रधानमंत्री को ऐसा लगता है कि वे बहुत शक्तिशाली हैं। लेकिन, उन्हें अहसास नहीं है कि वह अंतिम शख्स नरेन्द्र मोदी होंगे, जिनसे मैं डरूंगा। सांसद राहुल गांधी अपने संसदीय क्षेत्र में कांग्रेस कार्यकर्ताओं को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने संसद में दिए अपने भाषण को याद करते हुए यह बात कही।

उन्होंने अदाणी समूह की कंपनियों पर हिंडनबर्ग रिपोर्ट से संबंधित कुछ मुद्दों को उठाया था। उन्होंने कहा कि मैंने इस संबंध में संसद के स्पीकर को हर एक बात जो रिकार्ड से हटाया गया है, उनके संबंध में साक्ष्यों के साथ पत्र लिखा है। गांधी ने कहा कि उन्होंने संसद में कोई अपशब्द प्रयोग नहीं किए थे। सिर्फ मोदी और अदाणी के बीच संबंधों को उठाया था। लेकिन, मेरे भाषण का अधिकांश हिस्सा रिकार्ड से हटा दिया गया। उन्होंने लोकसभा सचिवालय की आलोचना करते हुए कहा कि सीधे तौर पर उनका अपमान करने वाले प्रधानमंत्री के भाषण को रिकार्ड से नहीं निकाला गया। मोदी ने कहा था

कि क्यों मेरा नाम गांधी है, नेहरू नहीं। प्रधानमंत्री ने सीधे तौर पर मेरा अपमान किया है। लेकिन उनकी बातें रिकार्ड से नहीं निकाली गईं। राहुल गांधी ने कांग्रेस कार्यकर्ताओं से लोकसभा में दिए अपने भाषण को देखने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि क्योंकि यह समझना महत्वपूर्ण है कि देश में क्या चल रहा है और प्रधानमंत्री और अदाणी के बीच क्या गठजोड़ है।

षडयंत्र कर राहुल को वाराणसी आने से रोका गया : कांग्रेस

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता व सांसद राहुल गांधी का वाराणसी दौरा रद्द हो गया। दौरा रद्द होने के बाद कांग्रेस ने सरकार पर आरोप मढ़े और विमान की लैंडिंग नहीं होने पर इसे सरकार का षड्यंत्र बताया। कांग्रेस नेता व सांसद राहुल गांधी का सोमवार की देर रात वाराणसी दौरा रद्द हो गया। वायनाड से उनके विमान का बाबतपुर एयरपोर्ट उतरने का कार्यक्रम निर्धारित था और उसके बाद सड़क मार्ग से प्रयागराज जाना था। उनका दौरा रद्द होने के बाद कांग्रेस ने सरकार पर आरोप मढ़े और विमान की लैंडिंग नहीं होने पर इसे सरकार का षड्यंत्र बताया।

गृहमंत्री बताए केरल में किस तरह का जोखिम देखा : विजयन

» केरल के सीएम का अमित शाह पर पलटवार

» बोले-कोई भी धर्म भेदभाव या किसी भी हमले का सामना नहीं कर रहा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

तिरुअनंतपुरम। केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के बयान पर पटलवार करते हुए कहा कि दक्षिणी राज्य में वह कैसा खतरा भांप लिए, जिससे उन्हें इस तरह के तंज के लिए प्रेरित किया। कोट्टायम के पास सीपीआई (एम) पार्टी के एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए, विजयन ने कहा कि केरल में कोई सांप्रदायिक हिंसा नहीं है, कोई भी धर्म भेदभाव या किसी भी हमले का सामना नहीं कर रहा है। गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि वह केरल के बारे में ज्यादा नहीं बता रहे हैं। यह रुकना खतरनाक है। उन्हें बताना पड़ेगा कि उन्होंने केरल में किस तरह का जोखिम देखा है।

अमित शाह ने कर्नाटक के पुत्तूर में एक रैली के दौरान कहा कि कर्नाटक के नजदीक केरल है। मैं ज्यादा कुछ नहीं कहना चाहता। अगर आपको कर्नाटक को सुरक्षित रखना है, तो यह केवल भाजपा कर सकती है। इसके जवाब में विजयन ने कहा कि वह जो कहना चाहते हैं उन्हें पूरा करने दें। दरअसल, उनका कहना है कि केरल में लोग बिना किसी भेदभाव के वहां रहते हैं और सुरक्षा के साथ रहते हैं। केरल के मुख्यमंत्री ने संघ परिवार पर देश में सांप्रदायिक एजेंडा फैलाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि सत्ताधारी भाजपा आम लोगों के फंड में कटौती कर रही है और उन्हें गरीबी में धकेल रहे है।

सरकार की खुफिया विफलता के कारण शहीद हुए थे 44 जवान : दिग्विजय

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। पुलवामा हमले की आज चौथी बरसी है। कांग्रेस नेता व मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने भी शहीदों को श्रद्धांजलि दी। साथ ही उन्होंने पुलवामा हमले को लेकर सरकार को निशाने पर लिया। कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह ने ट्वीट कर लिखा कि आज हम उन 40 सीआरपीएफ शहीदों को श्रद्धांजलि देते हैं, जो पुलवामा में खुफिया विफलता के कारण शहीद हो गए थे। उन्होंने आगे लिखा कि मुझे उम्मीद है कि सभी शहीद परिवारों का पुनर्वास मिल गया होगा।

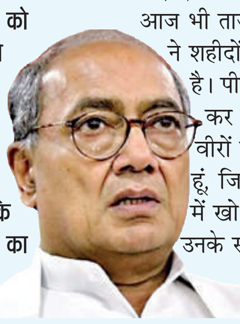

उधर पुलवामा हमले के शहीदों को पीएम मोदी से लेकर कई नेताओं ने भी 44 जवानों की शहादत पर उन्हें याद किया है। बता दें कि 14 फरवरी 2019 को एक आतंकी हमले में सीआरपीएफ के 44 जवान शहीद हो गए थे। इस घटना के आज चार साल हो गए हैं, लेकिन इसके जख्म आज भी ताजा हैं। पीएम मोदी ने शहीदों को याद किया है। पीएम मोदी ने ट्वीट कर लिखा कि उन वीरों को याद करा रहा हूं, जिन्हें हमने पुलवामा में खो दिया था। हम उनके सर्वोच्च बलिदान को कभी नहीं भूलेंगे।

अब किसान बन गया चौकीदार : वरुण

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पीलीभीत। पीलीभीत पहुंचे बीजेपी सांसद वरुण गांधी ने एक बार फिर डिफाल्टर लोगों को लोन देने के मामले में बैंकिंग सिस्टम पर निशाना साधा है। वरुण गांधी ने दौरे के दौरान जनसभाओं को संबोधित कर संविदा कर्मचारियों के मुद्दे पर भी सरकार को कठघरे में खड़ा किया। वरुण गांधी ने जनसभा के दौरान कहा कि आवारा पशु किसानों के लिए सबसे बड़ी समस्या है इन पशुओं की वजह से किसान चौकीदार बन गया है।

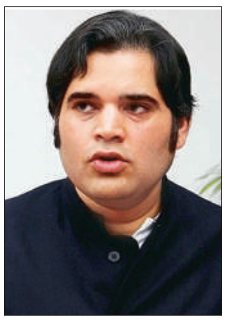

बीजेपी सांसद वरुण गांधी एक दिवसीय दौरे पर पीलीभीत पहुंचे थे जहां पीलीभीत के बिलसंडा इलाके के बमरौली गांव में सांसद वरुण गांधी ने एक जनसभा को संबोधित किया जनसभा को संबोधित करते हुए वरुण गांधी ने कहा कि कोरोना काल में संविदा कर्मचारियों ने अहम भूमिका निभाई थी। आशा बहुंए हो या फिर आंगनबाड़ी कार्यकर्ता हर किसी ने युद्ध स्तर पर लोगों की जान बचाने का काम किया लेकिन इसके उलट आज संविदा कर्मचारियों की दयनीय स्थिति है। यह लोग अपने अधिकार के लिए जगह-जगह प्रदर्शन कर रहे हैं और लड़ाई लड़ रहे हैं। वरुण गांधी ने कहा मैं सरकार से निवेदन करना चाहता हूं कि जितने भी संविदा कर्मचारी हैं सब को अन्य कर्मचारियों के समानांतर अधिकार व सैलरी दी जाए। सांसद वरुण गांधी ने बैंकिंग प्रक्रिया पर भी निशाना साधते हुए कहा कि देश में अधिकांश लोन का हिस्सा बड़े उद्योगपतियों को दिया जाता है।

पप्पू यादव का काफिला हादसे का शिकार, बाल-बाल बचे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। जन अधिकार पार्टी के प्रमुख पप्पू यादव का काफिला भीषण हादसे का शिकार हो गया। पप्पू यादव अपने काफिले के साथ मुबारकपुर कांड के पीड़ित परिवार से मिलने के लिए सोमवार को सारण गए थे।

वहां से वापस लौटने के वक्त एक ट्रक ने उनके काफिले को ओवरटेक किया और अनियंत्रित होकर काफिले में शामिल गाड़ियां आपस में टकरा गईं। इसमें टक्कर एक कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। हालांकि इस भीषण सड़क हादसे में के प्रमुख पप्पू यादव बाल-बाल बच गए। लेकिन उनके काफिले के साथ चल रहे कई नेता गंभीर रूप से घायल हो गए। जिन्हें इलाज के लिए नजदीकी हॉस्पिटल ले जाया गया है। जानकारी के अनुसार, यह सड़क हादसा ब्रह्मपुर फोरलेन पर आरा और बक्सर के बीच हुआ।

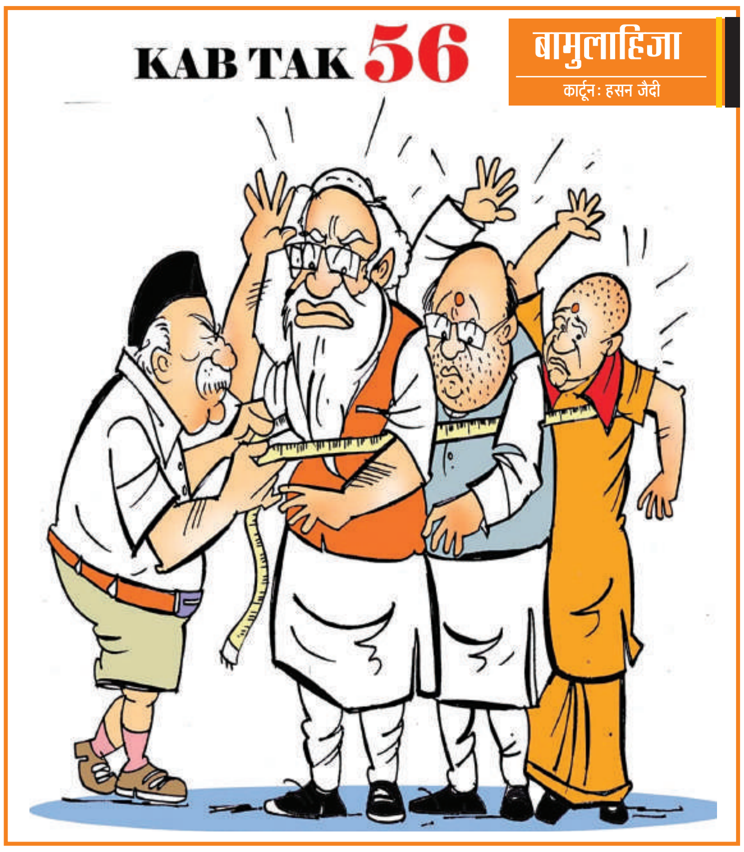

2019 में सरकार बनाने से पहले अजित व शरद पवार के साथ भी हुई थी चर्चा : फडणवीस

» कहा-हमारे पास एनसीपी की ओर से प्रस्ताव आया था

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। महाराष्ट्र में साल 2019 में हुए सियासी उठापटक को लेकर राज्य के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने एक चौंकाने वाली जानकारी साझा की है। तीन साल पहले बीजेपी ने राज्य में सरकार बनाने के लिए राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) से हाथ मिलाया था। हालांकि, एनसीपी के नेता और शरद पवार के भतीजे अजित पवार ने रातोंरात तख्तापलट कर दी।

देवेंद्र फडणवीस ने बताया कि तीन साल पहले हुई इस पूरी कवायद में शरद

पवार का समर्थन था। हमारे पास एनसीपी की ओर से प्रस्ताव आया था कि उन्हें एक स्थिर सरकार की जरूरत है और हमें मिलकर ऐसी सरकार बनानी चाहिए। हमने आगे बढ़ने और बातचीत करने का फैसला किया। बातचीत शरद पवार से हुई। फिर चीजें बदल गईं। आपने देखा है कि चीजें कैसे बदलीं।

क्या होता है संसद में विशेषाधिकार हनन? राहुल गांधी पर लगा है जिसका आरोप

» लोकसभा सचिवालय ने 15 फरवरी तक कांग्रेस सांसद से मांगा जवाब

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। भारत के संसद के दोनों सदनों यानी कि लोकसभा और राज्यसभा में इन दिनों कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के खिलाफ विशेषाधिकार हनन करने पर नोटिस और राहुल व कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के बयानों को संसद के रिकॉर्ड से हटाने जैसे मुद्दों पर हंगामा हो रहा है। बीजेपी सांसद निशिकांत दुबे और संसदीय कार्य मंत्री प्रह्लाद जोशी की शिकायत पर राहुल गांधी को विशेषाधिकार हनन के मामले में लोकसभा सचिवालय की ओर से नोटिस भेजा गया है। लोकसभा सचिवालय ने उन्हें 15 फरवरी तक जवाब देने के लिए कहा है।

दरअसल, ये मामला शुरू हुआ 7 फरवरी को, जब संसद के बजट सत्र में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान राहुल गांधी ने सदन को संबोधित करते हुए हिंडनबर्ग की रिपोर्ट के मुद्दे पर केंद्र सरकार को घेरा था। उस दौरान उन्होंने पीएम मोदी और उद्योगपति गौतम अडानी को लेकर भी सरकार और प्रधानमंत्री से कुछ सवाल किए थे। इस दौरान इस्तेमाल की गई उनकी भाषा पर भाजपा सांसदों की ओर से सवाल उठाया गया था। इसी को लेकर भाजपा सांसद निशिकांत दुबे और केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी द्वारा राहुल गांधी के खिलाफ विशेषाधिकार हनन का मामला लाने की मांग की गई थी। इसके बाद से संसद में लगातार विशेषाधिकार हनन और उस पर कार्यवाही की बातें सदन में गूंज रही हैं। ऐसे में जेहन में एक सवाल ये आता है कि आखिर संसद में विशेषाधिकार हनन का मामला क्या होता है और राहुल गांधी पर कार्रवाई क्यों शुरू की गई है? तो आज यहां जानते हैं इन सवालों के जवाब और जानते हैं कि क्या होता है विशेषाधिकार हनन। सबसे पहले जानते हैं कि संसद में विशेषाधिकार हनन या विशेषाधिकार का उल्लंघन क्या होता है और ये कब होता है? जब कोई व्यक्ति या प्राधिकरण व्यक्तिगत रूप से संसद में सदस्यों और सामूहिक रूप से सभा के किसी विशेषाधिकार और अधिकार की अवहेलना करता है या उन्हें चोट पहुंचाता है तो इसे विशेषाधिकार का उल्लंघन कहा जाएगा। सदन के दौरान अगर कोई सदस्य ऐसी टिप्पणी करता है, जो संसद की गरिमा को ठेस पहुंचाती हो तो ऐसी स्थिति में उस सदस्य पर संसद की अवमानना और विशेषाधिकार हनन के तहत कार्रवाई की जा सकती है।

क्या कहते हैं विशेषाधिकार से संबंधित नियम

लोकसभा नियम पुस्तक के अध्याय 20 में नियम संख्या 222 और इसके बाद राज्यसभा की नियमपुस्तिका के अध्याय 16 में नियम 187 विशेषाधिकार को नियंत्रित करता है। इसके अनुसार सदन का सदस्य, अध्यक्ष या सभापति की सहमति से एक प्रश्न उठा सकता है। जिसमें सदन का या किसी समिति के विशेषाधिकार के उल्लंघन का मामला शामिल है।

जांच के लिए गठित होती है विशेषाधिकार समिति

लोकसभा स्पी कर विशेषाधिकार हनन के प्रस्ताव की जांच करने के लिए 15 सदस्यों की समिति का गठन करते हैं। यह कमेटी जांच करती है कि विशेषाधिकार हनन का प्रस्ताव सही है या नहीं। विशेषाधिकार समिति अगर किसी भी सदस्य को विशेषाधिकार या अवमानना का दोषी पाती है, तो वह सजा की सिफारिश कर सकती है।

कब लाया जा सकता है विशेषाधिकार हनन का प्रस्ताव

अब सवाल कि विशेषाधिकार हनन का प्रस्ताव कब लाया जा सकता है? संसद में सदन के दौरान जब किसी सदस्य को लगता है कि कोई और सदस्य सदन में झूठे तथ्य पेश करके सदन के विशेषाधिकार का उल्लंघन कर रहा है तो वह सदस्य विशेषाधिकार हनन प्रस्ताव पेश कर सकता है। विशेषाधिकारों का दावा तभी किया जाता है जब व्यक्ति सदन का सदस्य हो। जब वह सदस्य नहीं रहता है तो उसके विशेषाधिकारों को समाप्त कर दिया जाता है। विशेषाधिकार हनन का प्रस्ताव लाने के लिए सांसद को लोकसभा के महासचिव को सुबह 10 बजे से पहले लिखित में सूचना जारी करनी होती है। अगर यह सूचना 10 बजे के बाद जारी होता है तो उसे अगले दिन की बैठक में शामिल किया जाता है।

राहुल गांधी पर हैं ये आरोप

संसदीय कार्य मंत्री प्रह्लाद जोशी के अनुसार, राहुल गांधी ने अपने भाषण के दौरान सदन के कामकाज के नियम 353 और 369 का उल्लंघन किया है। उन्होंने कहा कि नियम 353 के तहत उस व्यक्ति पर आरोप नहीं लगाए जा सकते जो अपने बचाव के लिए सदन में मौजूद नहीं है। इस नियम के तहत ऐसा करने के लिए पहले नोटिस देना होता है और लोकसभा अध्यक्ष से पूर्व अनुमति लेनी होती है। इसी तरह नियम 369 के तहत सदन में दिखाये गए किसी कागज को सत्यापित करना होता है, जो कांग्रेस सदस्य ने नहीं किया। राहुल गांधी के अलावा, कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे पर भी सदन में असंसदीय भाषा इस्तेमाल करने का आरोप लगाया गया है। हालांकि खरगे का कहना है कि उन्होंने कुछ भी गलत नहीं बोला है फिर भी उनके शब्द रिकॉर्ड से हटाए गए।

इस राज्य में आज तक नहीं बनी एक भी महिला विधायक

1963 में नागालैंड को मिल गया था पूर्ण राज्य का दर्जा

» प्रदेश में 76.11 प्रतिशत है महिला साक्षरता दर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। बदलते वक्त के साथ आज हर क्षेत्र में महिलाओं की भागेदारी बढ़ाने पर जोर दिया जा रहा है। कहीं न कहीं इसका असर भी दिख रहा है। खेल और राजनीतिक से लेकर अब हर क्षेत्र में महिलाओं की हिस्सेदारी बढ़ रही है। इस देश की राजनीति में भी महिलाओं का बड़ा खास योगदान रहा है। पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने जहां देश का प्रतिनिधित्व करते हुए कई ऐतिहासिक फैसले लिए। तो वहीं मायावती, जयललिता, ममता बनर्जी जैसी कई महान महिला शख्सियतों ने अलग-अलग राज्यों का शासन किया।

प्रतिभा पाटिल इस देश की पहली महिला राष्ट्रपति बनीं, तो आज भी देश के सर्वोच्च पद एक महिला के रूप में द्रौपदी मुर्मू विराजमान हैं। देश की राजनीति में महिलाओं की लगातार बढ़ती भागेदारी के बाद भी भारत का एक राज्य ऐसा है जहां महिलाओं की स्थिति अच्छी है, वो साक्षरता के मामले में भी काफी आगे हैं, मगर फिर भी इस राज्य में विधानसभा के लिए कभी कोई महिला निर्वाचित नहीं हुई। हम बात कर रहे हैं नॉर्थ ईस्ट के एक प्रमुख राज्य नागालैंड की।

1963 में पूर्ण राज्य का दर्जा मिलने के बाद से अब तक नागालैंड में 13 विधानसभा चुनाव हो चुके हैं। मगर हैरानी की बात है कि विधानसभा के लिए कभी कोई महिला निर्वाचित नहीं हुई है। ताज्जुब की बात है कि नागालैंड में अच्छे सामाजिक पैरामीटर होने के बावजूद ऐसी स्थिति है। आखिर ऐसा क्यों है, इसे समझना बेहद मुश्किल है। नागालैंड में अगर महिला साक्षरता की बात करें तो, इस राज्य में महिला साक्षरता दर 76.11 प्रतिशत है, जो राष्ट्रीय औसत 64.6 प्रतिशत से भी काफी बेहतर है। यहां तक कि पुरुषों की भी साक्षरता दर काफी अच्छी है। इसी के साथ राज्य में कई महिला अधिकार संगठनों का भी अच्छा-खासा प्रभाव है। ऐसे में सवाल उठता है कि राजनीति महिला

12 मार्च को आएंगे नतीजे

अब सभी की निगाहें 12 मार्च पर टिकी हैं, जब दो और पूर्वोत्तर राज्यों (मेघायल और त्रिपुरा) के साथ नगालैंड चुनाव के नतीजे घोषित किए जाएंगे। बीजेपी त्रिपुरा को बनाए रखने और दो अन्य राज्यों में अपने रूटमैप का विस्तार करने के लिए कड़ी मेहनत कर रही है। दूसरी ओर, कांग्रेस और वामपंथी भी इन राज्यों में जमीन हासिल करने के लिए छटपटा रहे हैं। टीएमसी भी पश्चिम बंगाल से परे अपना प्रभाव दिखाना चाहती है।

अब तक सिर्फ 20 महिलाओं ने लड़ा चुनाव

हैरानी की बात है कि नागालैंड को पूर्ण राज्य का दर्जा मिले अब तक 60 साल से अधिक का समय बीच चुका है। लेकिन इस राज्य में अब तक सिर्फ 20 महिलाओं ने ही विधानसभा चुनाव लड़ा है। 2018 के चुनाव में 5 महिलाओं ने चुनाव लड़ा था, ये संख्या अब तक की सबसे अधिक थी। इन उम्मीदवारों में तीन को वोटों का छठा हिस्सा भी नहीं मिला। आपको जानकार हैरानी होगी कि राज्य में अब तक जिन 20 महिलाओं ने चुनाव लड़ा है, उनमें से 13 का भी यही हश्र हुआ है। ऐसा इसलिए है, क्योंकि नागालैंड में चुनावी राजनीति में महिलाओं का विरोध होता रहा है। उदाहरण के लिए, 2017 में, जनजातीय समूहों ने शहरी स्थानीय निकाय चुनावों में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण के प्रावधान का विरोध किया था। इस दौरान किए गए विरोध प्रदर्शन में हिंसा भड़क गई थी और दो लोगों की मौत हो गई थी।

महिलाएं नहीं ले सकती निर्णय

प्रदर्शनकारियों ने कहा कि आरक्षण नागालैंड के विशेष अधिकारों का उल्लंघन करता है। अनुच्छेद 371 (ए) नागा प्रथागत कानूनों और प्रक्रियाओं की रक्षा करता है। यह दावा किया गया है कि महिलाएं निर्णय लेने के स्थानों में नहीं हो सकती हैं। साथ ही राजनीतिक दल महिलाओं को टिकट देने से कतराते रहे हैं। यहां तक कि महिलाएं भी महिला उम्मीदवारों के लिए मतदान में आगे नहीं आ रही हैं। अब तक केवल एक महिला को ग्राम सभा अध्यक्ष के रूप में चुना गया है।

सीएम नेफ्यू रियो का मानसिकता को बदलने का प्रयास

नागालैंड के मुख्यमंत्री नेफ्यू रियो ने नागा लोगों से अपनी इस मानसिकता को बदलने का आग्रह किया है कि महिलाएं निर्णय लेने की जगह पर नहीं हो सकती हैं। नेफ्यू रियो के नेतृत्व वाली नेशनलिस्ट डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव पार्टी ने 60 सदस्यीय विधानसभा के चुनाव के लिए अपने घोषणापत्र में लैंगिक समानता का वादा किया है। एनडीपीपी ने पश्चिमी अंगामी और दीमापुर-तृतीय निर्वाचन क्षेत्रों से दो महिला उम्मीदवारों को मैदान में उतारा है। कुल मिलाकर, चार महिलाओं ने विधानसभा चुनाव के लिए नामांकन दाखिल किया है, क्योंकि कांग्रेस और बीजेपी ने भी टेनिंग और अटोइज़ू सीटों पर एक-एक महिला को मैदान में उतारा है।

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

महिला क्रिकेटरों को मिलेगा लाभ

"महिला क्रिकेटरों केलिए यह एक बहुत बड़ी उपलब्धि है। जहां क्रिकेट लीग से इन महिला खिलाड़ियों को करियर संवारने में और फायदा हो वहीं उनको आर्थिक परेशानियों से भी निजात मिलेगी। सबसे बड़ी बात उन्हें साल में एक मुश्त क्रिकेट खेलने को मिलेगा। जब ज्यादा मैच होंगे तो इन खिलाड़ियों को पहचान भी मिलेगी।

भारतीय महिला टीम की उप कप्तान स्मृति मंधाना महिला प्रीमियर लीग के लिए हुई नीलामी में सबसे ज्यादा राशि में बिकने वाली खिलाड़ी रहीं। जिन्हें रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर ने बोली की टक्कर में मुंबई इंडियंस को पछाड़ते हुए 3.40 करोड़ रूपये (410,000 डॉलर) में खरीदा। उनके अलावा कई खिलाड़ी ऐसी रही जिन्हें 1 करोड़ से ज्यादा में खरीदा गया। हालांकि पुरुषों के प्रीमियर लीग की तुलना में यह बहुत कम है। पर कहावत है न कुछ न नही से अच्छा कुछ। महिला क्रिकेटरों के लिए यह एक बहुत बड़ी उपलब्धि है। जहां क्रिकेट लीग से इन महिला खिलाड़ियों को करियर संवारने में और फायदा होगा वहीं उनको आर्थिक परेशानियों से भी निजात मिलेगी। सबसे बड़ी बात उन्हें साल में एक मुश्त क्रिकेट खेलने को मिलेगा। जब ज्यादा मैच होंगे तो इन खिलाड़ियों को पहचान भी मिलेगी। पहचान से इन खिलाड़ियों को व्यवसायिक रुप से लाभ होगा वहीं उन्हें विज्ञापन से कमाई के मौके भी मिलेंगे।

अब मंधाना आरसीबी की ओर से महिला प्रीमियर लीग में अपना कमाल दिखाती नजर आएंगी। बता दें कि जब मंधाना को खरीदने के लिए फ्रेंचाइजी बोली लगा रहे थे तो भारतीय महिला खिलाड़ी टीवी पर इस ऑक्शन को देख रही थीं, यही नहीं जब उन्हें आरसीबी ने खरीदकर अपनी टीम में शामिल किया तो उनकी खुशी का ठिकाना नहीं रहा, वहीं, भारतीय महिला टीम की बाकी खिलाड़ी भी मंधाना के खरीदे जाने पर खुशी से जश्न मनाती हुई नजर आई थी, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल है। बता दें कि ऑक्शन में 10 भारतीय खिलाड़ी एक करोड़ रूपये से ज्यादा की राशि हासिल करने में सफल रहीं लेकिन कप्तान हरमनप्रीत कौर को मुंबई इंडियंस ने काफी सस्ता मंधाना से आधी राशि में 1.80 करोड़ रूपये में अपनी टीम में शामिल किया. वह मुंबई की सबसे महंगी खिलाड़ी भी नहीं हैं क्योंकि टीम ने इंग्लैंड की नैट स्किवर ब्रंट को सबसे ज्यादा 3.20 करोड़ रूपये देकर हासिल किया. बल्कि हरमनप्रीत नीलामी में खरीदी गयी शीर्ष छह भारतीय खिलाड़ियों में भी शामिल नहीं है क्योंकि देश की दूसरी सबसे महंगी बिकने वाली खिलाड़ी आल राउंडर दीप्ति शर्मा हैं जिन्हें यूपी वारियर्स ने 2.6 करोड़ रूपये में खरीदा। हालांकि राशि के हिसाब से देखा जाए तो पुरुषों के मुकाबले यह बहुत कम है। परंतु शुरुआत हुई है तो उम्मीद की जानी चाहिए कि आने वाले समय में इसकी लोकप्रियता बढ़ेगी तो महिला क्रिकेटरों को पुरुषों की भांति धन का लाभ होगा। इससे पहले बीसीसीआई ने महिला क्रिकेटरों को मैच फीस के दायरे में लाकर उनको आर्थिक रुप से संबल देने का काम किया था।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

कहीं भाजपा को चुनावों में भारी न पड़ जाये नाराजगी

रमेश सर्राफ धमोरा

आठवीं बार की सांसद मेनका गांधी भी भाजपा आलाकमान से बहुत खफा नजर आ रही हैं। मोदी सरकार के दूसरे कार्यकाल में मेनका गांधी व उनके सांसद पुत्र वरूण गांधी में से किसी को भी मंत्री नहीं बनाया गया। इतना ही नहीं उन्हें भाजपा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी से भी हटा दिया गया। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा को अगले लोकसभा चुनाव तक अध्यक्ष पद का कार्य विस्तार मिल चुका है। अगले लोकसभा चुनाव को ध्यान में रखते हुए नड्डा ने अपने संगठन को पुनर्गठित और चुस्त-दुरुस्त करना शुरू कर दिया है। लोकसभा चुनाव से पूर्व जम्मू-कश्मीर सहित दस प्रदेशों की विधानसभाओं के चुनाव होने हैं। जिनके नतीजों से पता चल जाएगा कि अगले लोकसभा चुनाव में कौन-सी पार्टी केंद्र में सरकार बना सकेगी।

चुनावों वाले दस राज्यों से लोकसभा की कुल 121 सीटें आती हैं। ऐसे में जिस पार्टी की भी सरकार इन प्रदेशों में बनेगी स्वाभाविक ही है कि लोकसभा चुनाव में भी उसी पार्टी का अधिक प्रभाव दिखेगा। हालांकि पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा खुद अपने गृह प्रदेश हिमाचल प्रदेश में भाजपा की सरकार को नहीं बचा सके और वहां पर कांग्रेस भारी बहुमत के साथ सरकार बनाने में कामयाब हो गई। इससे लगता है कि पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में नड्डा शायद ही कुछ करिश्मा दिखा पाए। पूरा चुनाव प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के इर्द-गिर्द ही रहता लग रहा है। भारतीय जनता पार्टी के नेता अभी से अगले लोकसभा चुनाव की तैयारियों में जुट चुके हैं। अगले लोकसभा चुनाव को ध्यान में रखते हुए भी ही पार्टी ने राष्ट्रीय अध्यक्ष के पद पर किसी नए नेता को लाने की बजाय जेपी नड्डा को ही रखने का फैसला किया है। भाजपा का मानना है कि नड्डा की पूरी टीम का सेटअप बना हुआ है। ऐसे में नए सिरे से संगठन बनाने में काफी समय निकल जाएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी देशभर में अपने दौरे करने शुरू कर दिए हैं। भाजपा के नेता पूरी तरह चुनावी मूड में नजर आने लगे हैं। पार्टी तीसरी बार केंद्र में सरकार बनाने का सपना देख रही है। ऐसे में भाजपा की ही कुछ बड़ी महिला नेताओं की नाराजगी आने वाले चुनाव में भाजपा को भारी पड़ सकती है। राजस्थान की दो बार मुख्यमंत्री रह चुकी वसुंधरा राजे सिंधिया पिछले लंबे समय से राजस्थान में खुद को नेता घोषित करने की मांग करती आ रही हैं। वसुंधरा राजे चाहती हैं कि दिसंबर में होने वाले विधानसभा चुनाव में पार्टी उन्हें नेता प्रोजेक्ट कर चुनाव लड़े। मगर भाजपा आलाकमान भाजपा का संगठन पूरी तरह वसुंधरा विरोधी नेताओं से भरा पड़ा है। वर्तमान परिस्थितियों में तो वसुंधरा समर्थक कई मौजूदा विधायकों को भी टिकट मिलना संदिग्ध नजर आ रहा है। अंदर खाने चर्चा है कि वसुंधरा समर्थक अपने नेता पर अलग दल बनाकर चुनाव में उतरने का दबाव डाल रहे हैं। हालांकि वसुंधरा राजे देखो और इंतजार करो की नीति पर चल कर आलाकमान का मूड भांपने का प्रयास कर रही हैं। उधर, मध्य प्रदेश में पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती शिवराज सिंह चौहान सरकार पर लगातार हमलावर हो रही हैं। शराबबंदी के बहाने उमा भारती लगातार मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान को घेर रही हैं। राजनीति

ऐसा करने के मूड में नहीं लगता है। वर्तमान में वसुंधरा राजे भाजपा की राजनीति में हाशिए पर हैं। कहने को तो उन्हें पार्टी का राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बनाया गया है। मगर सक्रिय राजनीति में उनकी कोई भूमिका नजर आ रही है। राजस्थान की राजनीति में वसुंधरा राजे का कद बहुत बड़ा माना जाता है। विशेषकर भाजपा में तो वसुंधरा राजे के कद का कोई दूसरा नेता नहीं है। वहीं राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत प्रदेश में लगातार दूसरी बार कांग्रेस की सरकार बनाने का दावा कर रहे हैं। राज्य कर्मचारियों को पुरानी पेंशन योजना लागू करने के आदेश देकर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत कर्मचारी वर्ग में खासे लोकप्रिय हो रहे हैं। माना जा रहा है कि गहलोत द्वारा पेश किए जाने वाला राजस्थान का अगला बजट भी काफी लोक लुभावना होगा। ऐसे में गहलोत का मुकाबला करने में वसुंधरा राजे ही सबसे उपयुक्त नेता हैं। राजस्थान में खुद को हाशिए पर डाले जाने से नाराज उमा भारती भाजपा आलाकमान से बहुत नाराज हैं। उमा भारती का मानना है कि उन्होंने ही मेहनत कर दस साल से मध्य प्रदेश में शासन कर रही कांग्रेस की दिग्विजय सिंह सरकार को उखाड़ फेंका था।

भाजपा की कद्दावर नेता वसुंधरा राजे सिंधिया, उमा भारती, मेनका गांधी की नाराजगी का असर अगले चुनावों में देखने को मिल सकता है। भाजपा आलाकमान को समय रहते उनके गिले-शिकवे पर चर्चा कर उनका समाधान करना चाहिए। तीनों ही महिला नेता अपने-अपने प्रदेशों की राजनीति में प्रभावशाली तो हैं ही, इनके साथ बड़ा समर्थक वर्ग भी जुड़ा हुआ है। इनकी नाराजगी से भाजपा द्वारा केंद्र में लगातार तीसरी बार सरकार बनाने का सपना कहीं सपना ही बनकर नहीं रह जाये। इस बात का भाजपा आलाकमान को अहसास होना चाहिये।

इस दलदल से कैसे बाहर निकलेगा पाकिस्तान

रंजीत कुमार

दिवालिया होने से बचने के लिए पाकिस्तान को आईएमएफ तिनके का सहारा जैसा लग रहा है। उसे अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) से 1.2 अरब डॉलर की अतिरिक्त मदद मिल भी गई तो उसका आर्थिक संकट नहीं सुलझने वाला। उसकी मौजूदा स्थिति पर एक नजर डालने से ही यह साफ हो जाता है। दिसंबर, 2022 के दौरान पाकिस्तान के आयात (5.6 अरब डॉलर) और निर्यात (2.6 अरब डॉलर) में 2.8 अरब डॉलर का अंतर था। पेट्रोल, खनिज, गैस और कोयला के आयात पर उसे पिछले साल हर महीने औसतन करीब 1.75 अरब डॉलर खर्च करने पड़े। ताजा आंकड़ों के मुताबिक पाकिस्तान के पास कुल 3.6 अरब डॉलर का विदेशी मुद्रा भंडार बचा है। बाकी जरूरी आयात को यदि रोक भी दिया जाए और देश की गाड़ी पटरी पर टिकाए रखने के लिए पेट्रोल, गैस, कोयला के आयात की ही अनुमति दी जाए तो इसके लिए भी हर महीने 1.75 अरब डॉलर का इंतजाम कहां से होगा।

पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था में इतना दम नहीं कि वह अपने बूते निर्यात बढ़ाकर जरूरी विदेशी मुद्रा अर्जित कर सके। अर्थव्यवस्था की इसी कमजोरी की वजह से न केवल अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संस्थाएं बल्कि पाकिस्तान के दोस्त और हमदर्द देश भी पाक नेताओं से कन्नी काटने लगे हैं। उन्हें पता है कि पाकिस्तान उनके द्वारा दिए गए कर्ज का भुगतान करने की स्थिति में तब तक नहीं आ सकता जब तक वह अपनी शासन प्रणाली और राजकीय सोच को बदलने को तैयार नहीं होगा। खाड़ी के मुल्कों सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात आदि ने कुछ अरब डॉलर की मदद देकर हाथ खड़े कर दिए हैं। इन देशों ने और अनुदान देने से लगभग इनकार ही कर दिया है। 'लौह मित्र' चीन ने भी उससे मुंह फेर लिया है। पाकिस्तान के भीतर ग्वादर से काशगर (चीन) तक बनाए जा रहे राजमार्ग (सीपीईसी) के नाम पर चीनी बिजली कंपनियों ने वहां जो निवेश किया, वे अंदरूनी राजनीतिक सामाजिक हालात की वजह से समुचित फल नहीं दे रहे। इसलिए चीनी नेता पाकिस्तान से निराश दिखते हैं। देखा जाए तो कई वजहों से पाकिस्तान बुरी तरह फंसा हुआ है।

करीब 360 अरब डॉलर के जीडीपी वाले देश पर लगभग इतना ही कर्ज का बोझ है। इसमें से करीब 130 अरब डॉलर विदेशी कर्ज है। करीब 30 अरब डॉलर का कर्ज तो चीन का ही है जिसकी सालाना किश्तों के भुगतान के लिए वह अतिरिक्त वक्त देने को तैयार नहीं हो रहा। भारत से दुश्मनी पाल कर पाकिस्तान ने खुद को चीन पर अत्यधिक निर्भर बना लिया है। चीन इसका नाजायज फायदा उठा रहा है। पाकिस्तान में होने वाले निवेश को चीनी कंपनियां अनुमानित लागत से काफी बढ़ा कर दिखाती हैं। इस निवेश के लिए चीनी सरकारी बैंकों से ही कर्ज लेना होता है जिस पर अंतराष्ट्रीय दरों से दो-तीन गुना अधिक ब्याज दर लगाई जाती है। अपनी भू-सामरिक स्थिति का दोहन करते रहने की नीति की वजह से पाकिस्तान की रेंटियर-इकॉनमी यानी किराया वसूलने वाले देश की छवि बन गई है। अफगानिस्तान से सोवियत फौज को बाहर निकालने की अमेरिकी लड़ाई में साथी देश बनने की वजह से पाकिस्तान को खूब अनुदान मिलते रहे, लेकिन पाकिस्तानी अर्थव्यवस्था ने अपनी अंदरूनी ताकत का विकास नहीं किया।

अब जब अमेरिका अफगानिस्तान से जा चुका है, उसे पाकिस्तान की वैसी जरूरत नहीं रह गई है। पाकिस्तान को आईएमएफ ने 2019 में कुल 6.5 अरब डॉलर देने का वादा किया था जिसमें से 1.2 अरब डॉलर की खेप इसलिए रोक ली थी कि उसकी निरंतर रसातल में जाती अर्थव्यवस्था को संभालने के लिए पाकिस्तानी शासकों ने कभी गंभीर और दूरदर्शी कदम नहीं उठाए। इसलिए आईएमएफ ने इस खेप के साथ कई कड़ी शर्तें लगाईं जिन्हें पाकिस्तान की सरकार को अंततः मंजूर करना पड़ा। पाकिस्तान सरकार ने मान लिया है कि वह बिजली, गैस, पेट्रोल पर सब्सिडी समाप्त कर देगी। इससे इन जिंसों की खुदरा कीमतों में दो-तीन गुना तक बढ़ोतरी हो सकती है। निर्यात सेक्टर के लिए करों में दी जाने वाली छूट को भी खत्म करने को पाकिस्तान तैयार हो गया है जिससे उसके निर्यात पर प्रतिकूल असर पड़ेगा। कोरोना और पिछले साल की अभूतपूर्व बाढ़ की वजह से अर्थव्यवस्था पहले से ही कराह रही है। मुद्रास्फीति की दर पहले ही 28 प्रतिशत पर पहुंची हुई है जिसमें आईएमएफ की शर्तें मानने के बाद और इजाफा होगा।

एक अमेरिकी डॉलर का भाव गत एक साल में करीब सौ रुपये बढ़कर करीब 260 पाकिस्तानी रुपये पर चल रहा है। आईएमएफ ने कहा है कि इसे बाजार मूल्य के आधार पर निर्धारित किया जाए जिससे पाकिस्तानी रुपये का और अवमूल्यन होगा। इसका असर पाकिस्तान के जनजीवन पर काफी प्रतिकूल होगा। पाकिस्तान की मौजूदा बहुदलीय शाहबाज शरीफ सरकार के सामने भारी दुविधा की स्थिति पैदा हो गई है। इधर कुआं है तो उधर खाई। छह-सात महीने में ही आम चुनाव होने हैं। फायदा इमरान खान को मिल सकता है जो अपने खराब शासन का ठीकरा सेना पर फोड़ लोकप्रियता हासिल कर रहे हैं। यदि इमरान की सरकार फिर बनी तो सेना से उनके अप्रिय रिश्ते को देखते हुए राजनीतिक अस्थिरता बढ़ सकती है। इसका लाभ अतिउग्रवादी जेहादी संगठन टीटीपी (तहरीके तालिबान पाकिस्तान) उठाने की कोशिश करेगा। कुल मिलाकर देखें तो पाकिस्तान की इस दयनीय, जर्जर हालत से भारत तो चिंतित है ही, लेकिन पूरी विश्व बिरादरी को सोचना होगा कि उसे कैसे सुशासन की पटरी पर लाया जाए।

वैलेंटाइन डे पर बनाएं हार्ट शेप पिज्जा

वैलेंटाइन वीक आते ही हर कोई अपने-अपने पार्टनर के साथ क्वालिटी टाइम व्यतीत करने की प्लानिंग करता है। लोग डिनर पर जाते हैं, मूवी डेट प्लान करते हैं, और अपने पार्टनर को स्पेशल फील कराते हैं। पर, कई कपल समय का अभाव होने की वजह से बाहर जाने का प्लान नहीं बना पाते। ऐसे में वो घर पर ही वैलेंटाइन डे सेलिब्रेट करते है। अगर आप भी कुछ ऐसा ही प्लान कर रही हैं तो ये खबर आपके लिए बेह्द जरूरी है। दरअसल, आज हम आपको एक ऐसी डिश के बारे में बताने जा रहे हैं, जिसको अपनी डेट पर बनाकर आप अपने पार्टनर को इंप्रेस कर सकते हैं। इस डिश को बनाकर आप अपने पार्टनर को उसके खास होने का एहसास दिला सकते हैं। खास बात ये है कि, अगर आप अपने व्यस्त समय से शेड्यूल निकालकर उनके लिए कुछ बनाएंगी तो इससे आपकी डेट एक यादगार पल में तब्दील हो जाएगी। तो चलिए आपको इस डिश के बारे में बताते हैं। आप अपनी वैलेंटाइन डेट को स्पेशल बनाने के लिए घर पर ही हार्ट शेप पिज्जा बना सकती हैं। इसको बनाने के लिए आपको ज्यादा मेहनत भी नहीं करनी पड़ेगी।

बनाने की सामग्री

पिज्जा बेस-2
पिज्जा सॉस-3 चम्मच
चीज-2 चम्मच
शिमला मिर्च-1 कटी हुई
टमाटर-1 कटा हुआ
ऑरिगेनो-1/2 चम्मच
चिली फ्लेक्स- 1/2 चम्मच

हार्ट शेप पिज्जा बनाने की विधि

सबसे पहले आप एक रेडीमेड पिज्जा ले लें। अब इस बेस को शेप कटर की मदद से दिल के आकार में काट लें। अब पिज्जा के पूरे बेस पर टोमेटो कैचअप को अच्छी तरह से फैला दें। इस के बाद अब बारीक कटा प्याज और टमाटर उसके ऊपर डालें। आप पिज्जा में अपनी पसंद की अन्य सब्जियां जैसे शिमला मिर्च, स्वीट कॉर्न, बेबी कॉर्न आदि डाल सकती हैं। इस दौरान इस बात का ध्यान रखें कि वो सामान अपने पिज्जा में वो सामान ना डालें जो आपके पार्टनर को पसंद ना हो। सबसे अंत में सबसे ऊपर कद्दूकस किया मोजारेला चीज डालें। 20 मिनट तक इस पिज्जा को ओवन में पकाएं। आप चाहें तो इसे ऑरिगेनो से भी गार्निश कर सकती हैं।

चॉकलेट पुडिंग

सामग्री

दूध-डेढ़ कप, कोको पाउडर-2 टेबल स्पून, चीनी-1/4 कप कॉर्न फ्लोर-1/4 कप, क्रीम-1/2 कप, चॉकलेट चिप-1/2 कप, वेनिला अर्क-1 टी स्पून, नमक-1/4 टी स्पून

बनाने की विधि

असल में वैलेंटाइन डे सिर्फ अपने पार्टनर को स्पेशल फील कराने का दिन नहीं है। इस दिन आप उन सभी को खास महसूस करा सकते हो, जो आपकी लाइफ में अहमियत रखते हैं। इससे आपके रिश्ते और ज्यादा मजबूत बनते हैं। आप भी अगर ऐसा कुछ करने का प्लान कर रहीं हैं तो अपनी फैमिली को उनके खास होने का एहसास कराने के लिए आप अपने घर पर ही चॉकलेट डे सेलिब्रेट कर सकती हैं। इस चॉकलेट डे पर अपने करीबियों को सिर्फ चॉकलेट खिलाने की बजाए आप उनके लिए चॉकलेट पुडिंग भी बना सकती हैं। जिसे खाकर आपके घर वाले भी आपकी कुकिंग के एक बार फिर से फैन हो जाएंगे।

चॉकलेट पुडिंग बनाने के लिए सबसे पहले एक बड़े बाउल में एक कप दूध डालें। अब इसमें 2 टेबल स्पून कोको पाउडर और 2 टेबल स्पून कॉर्न फ्लोर को मिला दें। इन सभी सामानों को अच्छे से मिला लें। अब इसमें कस्टर्ड पाउडर या फिर कॉर्न फ्लोर डालें। अब इसे तब तक फेंटे जब तक ये अच्छे से मिल ना जाए। अब एक कड़ाही में आधा कप दूध डाल दें। इसमें पहले से तैयार किया हुआ मिक्चर भी डाल दें और हल्की आंच पर चलाते रहें। अब इसमें 1/4 कप चीनी डाल दें। इसके बाद इसमें क्रीम डालकर इसे तब तक चलाएं जब तक इसमें चिकनापन ना आ जाए। अब इसमें चॉकलेट चिप डाल दें और अच्छे से मिक्स करें। जब चॉकलेट चिप अच्छे से पिघल जाए तो इसे गैस फ्लेम को धीमा कर दें। अब इसे तब तक पकने दें जब तक मिक्चर गाढ़ा होकर शाइन ना करने लगे। गैस बंद करके इसमें वनिला एसेंस डालें और हल्का का नमक डाल कर अच्छे से मिला कर कप में डाल दें। अब बस इसे फ्रिज में कम से कम 2 घंटे के लिए रख दें। आपकी पुडिंग तैयार हो गई।

हंसना मना है

आदमी: सर, मेरी वाइफ घूम गई हे, पोस्टमन: यह पोस्ट ऑफिस है, पुलिस स्टेशन नहीं, आदमी: ओह सॉरी ! साला खुशी के मारे कहा जाऊ, कुछ समझ में नहीं आ रहा !

टीचर ने गधे के सामने 1 दारु की और 1 पानी की बाल्टी रखी, गधा पानी पी गया। टीचर: तुमने इस से क्या सिखा? स्टूडेंट: जो दारु नहीं पिता वह गधा होता है!

बाप: बेटा अगर ससुराल वाले स्कूटर दे तो कार मांगना, कूलर दे तो एसी मांगना, लड़का: पापा अगर वो लड़की दे तो उसकी मां को भी मांगलूं क्या?

दूल्हा रोमांटिक अंदाज में बोला, मैं आपकी किस ले लुं क्या? दुल्हन शरमाते हुए बोली, हमने तो कभी गैरों को भी मना नहीं किया, आप तो फिर भी अपने हो।

कहानी: मूर्खों का बहुमत

किसी जंगल में एक उल्लू रहता था। दिन में दिखाई न देने के कारण वह दिनभर एक पेड़ पर अपने घोंसले में छिपकर रहता था। सिर्फ रात होने पर ही वह भोजन के लिए बाहर निकलता था। एक बार दोपहर के समय कहीं से एक बंदर आया और वह उल्लू के घोसले वाले पेड़ पर आकर बैठ गया। गर्मी और धूप से परेशान बंदन ने कहा-ऊफ, बहुत गर्मी है। बंदर की बात को उल्लू ने भी सुन लिया। उससे रहा नहीं गया और बीच में ही बोल पड़ा-यह तुम झूठ कह रहे हो? सूर्य नहीं, बल्कि अगर चंद्रमा के चमकने की बात कहते तो मैं इसे सच मान लेता। बंदर बोला-भला दिन में चंद्रमा कैसे चमक सकता हैं। वह तो रात में चमकता है और यह दिन का समय है। उस बंदर ने उल्लू को अपनी बात समझाने का बहुत प्रयास किया कि दिन में सूरज ही चमकता है चंद्रमा नहीं, लेकिन उल्लू भी अपनी ही जिद पर अड़ा था। इसके बाद उल्लू ने कहा-चलो, हम दोनों मेरे एक मित्र के पास चलते हैं, वही इसका निर्णय करेगा। बंदर और उल्लू दोनों एक दूसरे पेड़ पर गए। उस दूसरे पेड़ पर उल्लुओं का एक बड़ा झुंड रहता था। उल्लू ने सभी को बुलाया और उनसे कहा कि दिन में आकार में सूर्य चमक रहा है या नहीं यह तुम सब मिलकर बताओ। उल्लु की बात सुनकर उल्लुओं का पूरा झुंड हंसने लगा। वह बंदर की बात का मजाक उड़ाने लगें। उन्होनें कहा-नहीं, तुम बेवकूफों जैसी बात कर रहे हो। इस समय आकार में तो चंद्रमा ही चमक रहा है और आकाश में सूर्य के चमकने की झूठी बात बोलकर हमारी बस्ती में झूठ का प्रचार मत करो। उल्लुओं के झुंड की बात सुनने के बाद भी बंदर अपनी ही बात पर अड़ा हुआ था। जिससे गुस्साए उल्लुओं ने बंदर को मारने के लिए उसपर झपट पढ़े। दिन का समय था और उल्लुओं को कम दिखाई दे रहा था इसी वजह से बंदर वहां से बचकर भाग निकलने में कामयाब हो गया और उसने अपनी जान बचाई।

7 अंतर खोजें

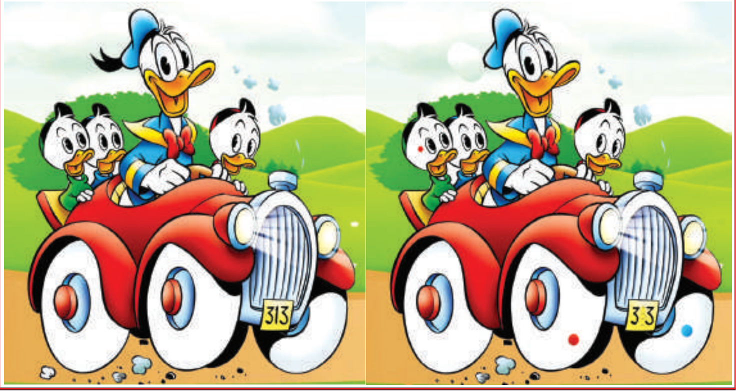

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष
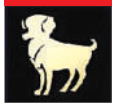
दु:खद समाचार मिल सकता है। विरोध होगा। व्यर्थ भागदौड़ होगी। लाभ के अवसर टलेंगे। विवाद न करें। कार्य निर्णय बहुत शांति से विचार करके करना ही शुभ है।

वृषभ
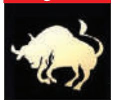
सुख के साधन जुटेंगे। प्रयास सफल रहेंगे। मान-सम्मान मिलेगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। प्रसन्नता रहेगी। नौकरी में मनचाही पदोन्नति मिलने के योग बनेंगे।

मिथुन
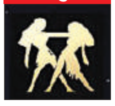
फालतू खर्च होगा। अतिथियों का आगमन होगा। शुभ समाचार मिलेंगे। विवाद न करें। आर्थिक स्थिति में सुधार की संभावना है। व्यापार में नए अनुबंध होंगे।

कर्क

'व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। नेत्र पीड़ा संभव है। रोजगार मिलेगा। भेंट व उपहार की प्राप्ति होगी। आपकी मिलनसारिता व धैर्यवान प्रवृत्ति आपके जीवन में आनंद का संचार करेगी।

सिंह
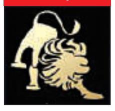
कुसंगति से बचें। लेन-देन में सावधानी रखें। शारीरिक कष्ट संभव है। व्ययवृद्धि से तनाव रहेगा। विवाद न करें। सार्वजनिक कार्यों में समय व्यतीत होगा।

कन्या

वैवाहिक प्रस्ताव मिल सकता है। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। यात्रा सफल रहेगी। लाभ होगा। उत्तम मनोबल आपकी सभी समस्याओं को हल कर देगा।

तुला

कार्य का विस्तार होगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। अपनी वस्तुएं संभालकर रखें। काम के प्रति दृढ़ता से कार्य में अनुकूल सफलता मिल सकेगी।

वृश्चिक

धर्म-कर्म में रुचि रहेगी। कानूनी अड़चन दूर होगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। समाज के कामों में उत्साहपूर्वक भाग लेंगे।

धनु
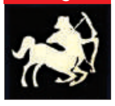
पुराना रोग उभर सकता है। चोट, चोरी व विवाद आदि से हानि संभव है। आय में कमी रहेगी। धैर्य रखें। स्वास्थ्य की समस्या हल होगी। ईश्वर के प्रति आस्था बढ़ेगी।

मकर
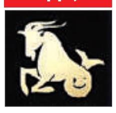
परिवार की चिंता रहेगी। जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। कानूनी अड़चन दूर होगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। परोपकार करके मानसिक सुख अर्जित करेंगे।

कुम्भ
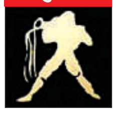
भूमि व भवन की खरीद-फरोख्त हो सकती है। रोजगार मिलेगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। नवीन गतिविधियां लाभकारी रहेंगी। व्यापार में नई योजनाओं का प्रारंभ होगा।

मीन

विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। पार्टी व पिकनिक का आनंद मिलेगा। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। रोजगार की चिंता रह सकती है। स्वास्थ्य ठीक रहेगा।

बॉलीवुड | मन की बात

सरोजिनी नायडू की बायोपिक से बड़े पर्दे पर वापसी करेंगी शांति प्रिया

बायोपिक बनाने का चलन इस साल भी हिंदी सिनेमा में जारी है। भारत कोकिला कही जाने वाली स्वाधीनता सेनानी और क्रांतिकारी सरोजिनी नायडू (जन्म जयंती-13 फरवरी) पर भी बायोपिक बन रही है। दो अभिनेत्रियां उनकी जीवनी को पर्दे पर दर्शाएंगी। इसमें सोनल मोंटेरो युवा सरोजिनी नायडू की, जबकि 35 से 70 साल तक की आयु की सरोजिनी नायडू की भूमिका में अभिनेत्री शांति प्रिया होंगी। शांति प्रिया इस भूमिका से 28 साल बाद बड़े पर्दे पर वापसी करेंगी। शांति प्रिया से हुई बातचीत में उन्होंने कहा कि मुझे गर्व है कि मैं इतनी मजबूत महिला की जीवनी बड़े पर्दे पर जीने वाली हूं। मैंने हमेशा अपनी फिल्म में खुद के लिए सशक्त रोल ही तलाशे, फिर चाहे वह तमिल, तेलुगु या हिंदी फिल्में हों। तब बड़ी मुश्किल से मैं खुद के लिए रोल तलाश पाती थी। अब माहौल बदल चुका है। अब हीरोइन-हीरो नहीं, कंटेंट प्रमुख है। सरोजिनी नायडू की बायोपिक हिंदी, तमिल, तेलुगु और कन्नड़ में बन रही है। यह शांति प्रिया की पहली पैन इंडिया फिल्म होगी। इस बाबत शांति प्रिया कहती हैं कि मैं खुश हूं कि यह फिल्म चार भाषाओं में बन रही है। इससे सरोजिनी नायडू की कहानी बड़ी संख्या में दर्शकों तक पहुंचेगी। हम इस फिल्म को तीन भाषाओं में एक समय पर शूट करेंगे। तेलुगु, तमिल और हिंदी की डबिंग तो मैं ही करने वाली हूं। सरोजिनी नायडू खुद दक्षिण भारत से थीं, तो अगर मेरी हिंदी में थोड़ा सा वहां का टच रह जाएगा, तो वह स्वाभाविक लगेगा। यह मेरी पहली पैन इंडिया फिल्म होगी। इस बायोपिक में काम करने से मुझे फिल्म इंडस्ट्री के नए तरीकों से काम करने की प्रक्रिया समझ आई।

मैं राहुल का ससुर नहीं पिता बनकर रहना चाहता हूं: सुनील

बॉलीवुड | गपशप

बॉलीवुड एक्टर सुनील शेट्टी ने कहा कि वो ससुर का रोल नहीं जानते हैं और हमेशा केएल राहुल के पिता बनकर रहना चाहते हैं। अथिया और केएल 23 जनवरी को शादी के बंधन में बंधे थे। सुनील ने कहा कि मैं ससुर के रोल को नहीं जानता हूं। मैं उनका फैन था और आज हमारा एक रिश्ता है, लेकिन मैं राहुल से पहले भी प्यार करता था, जैसे मैं बहुत सारे यंग टैलेंट्स से करता हूं। मैं उन लोगों में से हूं जो हमेशा टैलेंट्स को परफॉर्म करते देखने के लिए वानखेड़े जाता था। सुनील ने आगे कहा कि जब मैंने राहुल को खेलते हुए देखा, तो मुझे लगा कि ये बच्चा अच्छा है और फिर वो मेरे घर के पास का रहने वाला है। मैं उनमें से हूं जिसे छोटे शहरों के बच्चों की उपलब्धि पर बहुत गर्व होता है, इसलिए मैं उनका फैन था और आज मैं उनका पिता हूं। सुनील कहते हैं कि मैं उन्हें उतना ही जानता हूं जितना वो खुद को जानते होंगे। मैं उनकी हर हरकत को जानता हूं। जैसे अथिया और राहुल हैं, वैसे ही जो भी मेरे बेटे अहान की लाइफ में आएगी वो मेरी बेटी होगी। अथिया

और केएल राहुल की शादी में मौजूद एक सूत्र ने बताया था कि शादी में सुनील शेट्टी सबसे ज्यादा एक्टिव रहे। उन्होंने खुद ही सारी व्यवस्थाएं देखीं और ये सुनिश्चित किया कि शादी में शामिल होने वाले सभी लोग आराम से रहें। उन्हें खुश देखकर बहुत खुशी हो रही थी, लेकिन जैसे ही उन्होंने अपनी बेटी को दुल्हन के रूप में देखा, वैसे ही वो अपने आंसू नहीं रोक पाए। वो पूरे फेरे के दौरान इमोशनल ही रहे। अथिया और केएल राहुल ने 4 साल तक एक-दूसरे को डेट करने के बाद 23 जनवरी को शादी की है। इस शादी में फैमिली मेंबर्स और क्लोज फ्रेंड्स मिलाकर सिर्फ 100 लोग ही शामिल हुए थे। फंक्शन में अथिया की खास दोस्त कृष्णा श्रॉफ, अंशुला कपूर, डायना पेंटी, क्रिकेटर ईशांत शर्मा और वरुण एरोन भी मौजूद रहे। अथिया शेट्टी और केएल राहुल की शादी में सभी क्रिकेटर्स शामिल नहीं हो पाए, क्योंकि उस समय सभी भारत-न्यूजीलैंड क्रिकेट सीरीज में बिजी थे। ऐसे में कहा जा रहा है कि दोनों सभी क्रिकेटर्स के लिए इंडियन प्रीमियर लीग के खत्म होने के बाद मई में एक ग्रैंड रिसेप्शन रखेंगे।

नवाजुद्दीन के अपमान से टूटा कंगना का दिल

नवाजुद्दीन सिद्दीकी और उनकी वाइफ आलिया के बीच लड़ाई काफी आगे निकल गई है। आलिया ने नवाज का चुपके से एक वीडियो बना लिया था। अब इस मामले में कंगना रनावत का रिएक्शन आया है। उन्होंने कहा है कि नवाज की ये स्थिति देखकर उन्हें रोना आ रहा है। कंगना का कहना है कि नवाज को उनके घर के बाहर बेइज्जत किया जा रहा है, ये देख कर उनका दिल टूट गया है। उन्होंने आलिया पर तंज कसते हुए कहा है कि जब दोनों अलग हो चुके हैं तो किस अधिकार से आलिया उनके बंगले पर हक जमा रही हैं। नवाजुद्दीन सिद्दीकी की पत्नी आलिया सिद्दीकी ने 10 फरवरी को एक वीडियो वायरल किया था जिसमें नवाज उनके घर के गेट के बाहर दिखाई दे रहे हैं, उस वीडियो में आलिया काफी गुस्से में बोलती सुनाई दे रही हैं। इसी पर कंगना ने रिएक्ट करते हुए कहा कि नवाज साहब रिक्शे पर फिल्म की शूटिंग करने आते थे। वो कई साल किराए के मकान में रहें। उन्होंने इतना संघर्ष किया, अभी पिछले साल ही उन्होंने नया बंगला लिया। आज उन्हें अपने बंगले के बाहर खड़े होकर बेइज्जत होना पड़ रहा है। कंगना रनोट ने आगे लिखते हुए कहा, नवाज साहब की एक्स वाइफ दुबई में अपने बच्चों के साथ रहती थी। नवाज ने उनके लिए मुंबई में एक घर भी खरीदा था, हालांकि वो घर उन्होंने अपनी मां के लिए लिया था लेकिन बाद में उन्होंने उस घर को आलिया को दे दिया। मुझे याद है कि वो उस घर को लेकर काफी ज्यादा खुश थे, और मुझसे कुछ डिजाइनिंग टिप्स भी लिया था। उन्होंने हमारे लिए हाउस पार्टी भी रखी थी। नवाज ने अपनी जिंदगी में जो कुछ भी कमाया वो सब उन्होंने अपने भाइयों को दे दिया। कंगना ने आलिया पर निशाना साधते हुए लिखा कि मैं आलिया से कभी नहीं मिली लेकिन मुझे ये देख के काफी ताज्जुब हो रहा है कि वो यहां अचानक आ गई। मैंने देखा कि नवाज रोड पर खड़े हैं और इतने बड़े स्टार की बीवी होने के बावजूद वो उनका वीडियो बना रही हैं। इसे बदमाशी कहते हैं, ये देख कर मुझे रोना आ रहा है।

नवाज का पत्नी आलिया से चल रहा है विवाद

अजब-गजब

जब भूतों से हुआ इन पांच क्रिकेटर्स का सामना!

डर से हालत हो गई थी खराब

भूतों और आत्माओं को लेकर लोगों में अलग-अलग मत हैं। कई लोगों का मानना है कि भूत होते हैं। कई लोगों ने उनके साथ हुई पैरानॉर्मल एक्टिविटीज का जिक्र सोशल मीडिया पर भी किया है। वहीं कई लोग भूतों में नहीं मानते। बता दें कि कई क्रिकेटर्स भी हैं, जिनके साथ इस तरह की रहस्यमयी घटनाएं हो चुकी हैं। इनमें से कुछ भारतीय क्रिकेटर्स के भी नाम शामिल हैं। इनमें से कुछ क्रिकेटर तो डर के मारे दूसरे होटल में शिफ्ट हो गए थे या अपने साथियों के कमरे में सोने के लिए मजबूर हो गए। जानते हैं वो कौन से क्रिकेटर हैं, जिनका भूतों से सामना हो चुका है। **सौरव गांगुली:** सौरव गांगुली वर्ष 2002 में इंग्लैंड दौरे पर गए थे। वहां होटल में उनके साथ कुछ ऐसा हुआ कि वो घबरा गए थे। रिपोर्ट्स के अनुसार, गांगुली जिस होटल में रुके हुए थे वहां उन्हें कुछ ऐसी गतिविधियां दिखाई दीं, जो भूतों की दुनिया से जुड़ी हुई थीं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, सौरव गांगुली को अचानक बाथरूम से पानी गिरने की आवाज सुनाई दी और जब वे बाथरूम गए तो न तो नल से पानी निकल रहा था और न ही कोई आवाज। इसके बाद सौरव गांगुली वापस आए और सो गए। फिर से नल से पानी टपकने की वही आवाज आने लगी। गांगुली इतने डरे हुए थे कि वह अपना कमरा छोड़कर अपने साथी के कमरे में चले गए। **स्टुअर्ट ब्रॉड:** इंग्लैंड के तेज गेंदबाज स्टुअर्ट ब्रॉड के साथ भी वर्ष 2014 में ऑस्ट्रेलिया दौरे पर कुछ ऐसा ही हुआ था। रिपोर्ट्स के अनुसार, स्टुअर्ट ब्रॉड होटल में रुके हुए थे, वहां उन्हें ऐसा लगा कि उनके कमरे में कोई

चल रहा है। उन्हें कदमों की आवाज सुनाई दे रही थी। जब उन्होंने लाइट जलाई तो कमरे में कोई नहीं था। ब्रॉड का कहना था कि उस वक्त उनके कमरे में कोई और जरूर था। उसके पैरों की आवाज सुनाई दे रही थी। इसके साथ ही उन्हें एहसास हुआ कि कोई उन्हें छू रहा है, जिसके कारण टीम को बाद में होटल छोड़ना पड़ा। **हैरिस सोहेल:** हैरिस सोहेल पाकिस्तान क्रिकेट टीम के एक प्रसिद्ध खिलाड़ी थे। ऐसा कहा जाता है कि जब सोहेल पाकिस्तान क्रिकेट टीम के साथ न्यूजीलैंड के दौरे पर थे तो एक रात उन्होंने अचानक अपने साथियों को फोन किया और कहा कि कोई अदृश्य शक्ति उनके बिस्तर को हिला रही थी और वह बहुत डर गए थे। सोहेल बेहद डरे हुए कमरे में बैठे थे तभी उनके साथी उनके कमरे में गए। इस घटना से पाकिस्तान क्रिकेट टीम घबरा गई और वे होटल से बाहर चले गए। **शेन वॉटसन:** शेन वॉटसन के साथ भी इंग्लैंड में ऐसी ही अजीब घटना घटी थी। घटना के बाद वॉटसन काफी घबरा गए थे। वॉटसन के मुताबिक, उनके कमरे में कोई था जो उन्हें डरा रहा था। वाटसन का यह भी दावा था कि उन्होंने अपने कमरे में किसी की परछाई देखी। इस घटना से वॉटसन काफी घबरा गए थे। **महेन्द्र सिंह धोनी:** टीम इंडिया के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी के साथ भी ऐसी रहस्यमयी घटना घटी थी। साल 2014 में टीम इंडिया इंग्लैंड दौरे पर गई थी। इस दौरे पर महेंद्र सिंह धोनी ने एक भूत देखा था। यह भूत उन्हें इंग्लैंड के होटल में नजर आया था, जिसे देखकर धोनी काफी डर गए थे। धोनी बाकी प्लेयर्स के साथ लंदन के लैंगहम होटल में ठहरे थे। धोनी जब कमरे में आराम कर रहे थे तो उनके रूम का दरवाजा अचानक अपने आप खुल गया। उन्होंने दरवाजा बंद किया और सो गए। लेकिन दरवाजा फिर से अपने आप खुल गया। खबरों के अनुसार, धोनी को एक परछाई भी दिखाई दी, जिसे देखकर वह घबरा गए। ये देखकर धोनी काफी डर गए और कमरे से निकल गए। इसके बाद उन्होंने अपना कमरा बदलवा लिया।

पिछले 600 साल से रहस्य बना है ये किला, जिसे बनाने में लग गए थे 400 साल

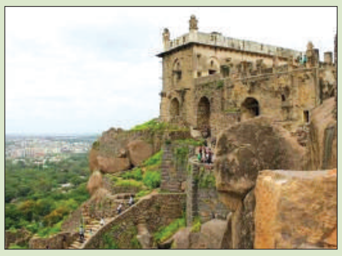

हमारे देश में प्राचीन काल के तमाम किले और इमारतें मौजूद हैं। इनमें से कई इमारतें को उनके रहस्यों की वजह से जाना जाता है। हम आपको आज जिस किले के बारे में बताने जा रहे हैं वह भी तमाम रहस्यों से भरा हुआ है। ये किला है गोलकोंडा का किला। यह तेलंगाना की राजधानी हैदराबाद में स्थित है। इसे हैदराबाद के प्रमुख पर्यटन स्थल के रूप में भी जाना जाता है। यह देश की सबसे बड़ी मानव निर्मित झीलों में से एक हुसैन सागर झील से लगभग नौ किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। यह किला क्षेत्र के सबसे संरक्षित स्मारकों में से एक है। कहा जाता है कि इस किले का निर्माण कार्य 1600 के दशक में पूरा हुआ था, लेकिन इसे बनाने की शुरुआत 13वीं शताब्दी में काकतिया राजवंश ने की थी। इस किले को अपनी वास्तुकला, पौराणिक कथाओं, इतिहास और रहस्यों के लिए आज भी जाना जाता है। इस किले के निर्माण से एक रोचक इतिहास जुड़ा हुआ है। कहा जाता है कि एक दिन एक चरवाहे लड़के को पहाड़ी पर एक मूर्ति मिली। जब उस मूर्ति की सूचना तत्कालीन शासक काकतिया राजा को मिली तो उन्होंने उसे पवित्र स्थान मानकर उसके चारों ओर मिट्टी का एक किला बनवा दिया। जिसे आज गोलकोंडा किला के नाम से जाना जाता है। ये किला 400 फीट ऊंची पहाड़ी पर बना है। इस किले में आठ दरवाजे और 87 गढ़ हैं। इस किले के मुख्य दरवाजे का नाम फतेह दरवाजा है। जो 13 फीट चौड़ा और 25 फीट लंबा है। इस दरवाजे को स्टील स्पाइक्स के साथ बनाया गया है जो इसे हाथियों के हमले से सुरक्षित रखते थे। इस किले की शानदार भव्यता का अंदाजा आप यहां का दरबार हॉल देख कर ही लगा सकते हैं, जो हैदराबाद और सिकंदराबाद के दोनों शहरों को ध्यान में रखते हुए पहाड़ी की चोटी पर बनाया गया है। यहां पहुंचने के लिए एक हजार सीढ़ियां चढ़नी पड़ती हैं। इस किले को इस तरह से बनाया गाय है कि जब कोई किले के तल पर ताली बजाता है तो उसकी आवाज बाला हिस्सा गेट से गूंजते हुए पूरे किले में सुनाई देती है। इस जगह को तालिया मंडप या आधुनिक ध्वनि अलार्म भी कहा जाता है। ऐसा माना जाता है कि किले में एक रहस्यमय सुरंग भी है, जो किले के सबसे निचले भाग से होकर किले के बाहर निकलती है। ऐसा कहा जाता है कि इस सुरंग को आपातकालीन स्थिति में शाही परिवार के लोगों को सुरक्षित बाहर पहुंचाने के लिए इस्तेमाल किया जाता था।

जनता को लूटने की तरकीबों को खोजने में 6 साल लगा दिए : अखिलेश

» कहा-भ्रष्टाचार का बोझ जनता पर लादने की बीजेपी की होशियारी ज्यादा दिनों तक चलने वाली नहीं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा और उसके उद्योगपति मित्रों ने जनता को लूटने की नई-नई तरकीबों को खोजने में ही 6 साल लगा दिए। अपने भ्रष्टाचार का बोझ जनता पर लादने की उनकी होशियारी ज्यादा दिनों तक चलने वाली नहीं है। उनके झूठे दावों की पोल खुल रही है।

अखिलेश ने आगे कहा, लोग समझ रहे हैं कि भाजपा सरकार के रहते न तो भला हो सकता है और न ही कोई विकास हो सकता है। भाजपा राज में सड़कें बनी नहीं हैं। गड्ढे भरे पड़े हैं, लेकिन भाजपा सरकार ने जनता से टोलटैक्स वसूली के लिए तैयारी कर ली है। पूरे उत्तर प्रदेश में सड़कों का बुरा हाल है।

डेलीगेट्स का सम्मान, शहरवासी रोते रहे

अखिलेश ने कहा, राजधानी में ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट और जी-20 के डेलीगेट्स के सम्मान में मुख्य मार्ग फूलों और रंगबिरंगी चाइनीज झालरों से सजा दिए गए, लेकिन बाकी शहरवासी अपनी किस्मत पर रोते रहे। मुख्यमंत्री आवास के सामने हजरतगंज जाने वाली पार्क रोड सड़क इन महोत्सवों में भी वीरान पड़ी रही। वहां न सफाई, न पुताई और न सड़क की मरम्मत हुई। सपा प्रमुख ने कहा के वीवीआईपी क्षेत्र की विक्रमादित्य मार्ग की सड़क बहुत ही ऊंची-नीची है। इस पर चलते समय गाड़ियां झूले का अहसास कराती है। यहां कभी भी दुर्घटना हो सकती है। इसी सड़क से माननीय न्यायाधीश और मुख्य सचिव भी गुजरते हैं। भाजपाई जनता के साथ कैसा खिलवाड़ कर रहे हैं। इसकी ताजा मिसाल यह है कि गोरखपुर-वाराणसी फोरलेन सड़क का निर्माण कार्य चल तो रहा है, पर कब पूरा होगा यह बताने के लिए कोई तैयार नहीं है। यानी जनता भले ऊबड़-खाबड़ रास्ते पर चले सड़क बने या न बने भाजपा सरकार से कोई सरोकार नहीं है पर उद्योगपति मित्रों के लिए बेलीपार के पास टोल प्लाजा बनकर तैयार है।

अखिलेश ने आगे कहा कि भाजपा राज में जनपद बस्ती में बनी बनाई पुलिया के निर्माण के लिए पीडब्लूडी ने दोबारा धन स्वीकृत करा लिया, लेकिन पुलिया बनी नहीं 47 लाख की धनराशि का अता-पता नहीं चला। सत्ता संरक्षण में भ्रष्टाचार की ऐसी अनेक कहानियां हैं। भाजपा का भ्रष्टाचारी तंत्र दिन दूना रात चौगुना बढ़ रहा है, जिसे महोत्सवों की चकाचौंध में होशियारी से छुपाने की साजिशें हो रही हैं।

तजाकिस्तान में बंधक बने 50 भारतीय

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

गोरखपुर। रोजगार की तलाश में तजाकिस्तान गए 50 भारतीय बंधक बन गए हैं, जिसमें 28 गोरखपुर के हैं। भारतीय दूतावास से मदद न मिलने पर इन लोगों ने इंटरनेट मीडिया पर वीडियो प्रसारित कर भारत सरकार से मदद मांगी है। स्वजन को भी उन्होंने अपनी परेशानी बताई है। इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित हो रहे वीडियो में देवी प्रसाद बता रहे हैं कि तजाकिस्तान की राजधानी दुशानबे से 100 किलोमीटर दूर एक कंपनी बर्फीले पहाड़ पर डैम बनवा रही है।

डैम पर सुरंग खोदने का काम चल रहा है। कंपनी ने धोखाधड़ी कर उन लोगों को बुलाया है। यहां पर तापमान माइनस में है, खाना व पानी नहीं मिल रहा। काम के लिए कोई लाइसेंस भी नहीं बना है न ही इंश्योरेंस है। कंपनी की गाड़ी का नुकसान हो रहा है तो उसके रुपये वेतन से ही काटे जा रहे हैं। इसे लेकर भारतीय दूतावास से अधिकारियों से वार्ता की गई थी। अधिकारी आए थे और जल्द से जल्द भारत भेजने की बात कहे थे।

बाल ठाकरे ने मोदी को बचाया, नहीं तो यहां तक नहीं पहुंच पाते : उद्धव ठाकरे

» कहा- मैंने हिंदुत्व को कभी नहीं छोड़ा, भाजपा हिंदुत्व नहीं है

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। शिवसेना अध्यक्ष उद्धव ठाकरे ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी यहां तक नहीं पहुंचते अगर बाल ठाकरे ने उन्हें तब बचाया नहीं होता। वह जाहिर तौर पर वाजपेयी की उस टिप्पणी का जिक्र कर रहे थे जिसमें गुजरात के तत्कालीन मुख्यमंत्री मोदी से 2002 के गुजरात सांप्रदायिक दंगों के बाद राजधर्म का पालन करने को कहा गया था।

उन्होंने कहा कि शिवसेना ने 25-30 वर्षों तक एक राजनीतिक नेतृत्व की रक्षा की, लेकिन बीजेपी एनडीए के पूर्व सहयोगी शिवसेना और अकाली दल को नहीं चाहते थे। उद्धव ठाकरे मुंबई में उत्तर भारतीयों की एक सभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा, मैं भाजपा से अलग हो गया, लेकिन मैंने हिंदुत्व को कभी नहीं छोड़ा। भाजपा हिंदुत्व नहीं है। हिंदुत्व क्या है, उत्तर भारतीय इसका जवाब चाहते हैं। एक-दूसरे से नफरत करना हिंदुत्व नहीं है। ठाकरे ने भाजपा पर हिंदुओं के बीच नफरत पैदा करने का आरोप लगाया। 25-30 साल तक शिवसेना ने राजनीतिक मित्रता की रक्षा की। हिंदुत्व का मतलब हमारे बीच गर्मजोशी है। भाजपा किसी को नहीं चाहते थे। उन्हें अकाली दल... शिवसेना नहीं चाहिए थे। ठाकरे ने गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में मोदी को राजधर्म के पालन की वाजपेयी की नसीहत का संदर्भ देते हुए कहा, यह बाला साहेब ठाकरे थे जिन्होंने वर्तमान प्रधानमंत्री को तब बचाया था जब अटलजी चाहते थे कि वे राजधर्म का सम्मान करें।

कुछ लोग गले में बेल्ट बांधे बने गुलाम

शिवसेना प्रमुख ने कहा कि उन्होंने अपनी गरिमा की रक्षा के लिए भाजपा के साथ गठबंधन तोड़ दिया और 2019 के महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों के बाद महा विकास अघाड़ी (एमवीए) बनाने के लिए एनसीपी और कांग्रेस से हाथ मिला लिया। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के साथ शामिल हुए बागी शिवसेना विधायकों पर परोक्ष हमला करते हुए उन्होंने कहा, कि नहीं तो मैं अपने गले में बेल्ट बांधे गुलाम होता, जैसे मेरे कुछ लोग अब बन गए हैं।

इटली की कंपनी मपेई ने मथुरा में लगाया फैक्ट्री

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। इटली की प्रमुख कंस्ट्रक्शन केमिकल कंपनी ,मपेई ने इटली प्रतिनिधिमंडल के सदस्य के रूप में यूपीजीआईसी में भाग लिया। इस कार्यक्रम में मपेई के सीईओ संजय भल्ला ने कहा कि यूपी अब पसंदीदा निवेश गंतव्य बन गया है। हमें यूपी सरकार और यूपीसीडा से पूरा समर्थन मिला। उन्होंने कहा कि ऑनलाइन उपकरण निवेश मित्र और निवेश सारथी तेज और पारदर्शी वातावरण प्रदान करते हैं।

हमने कोसी कलां मथुरा जिले में एक विनिर्माण सुविधा स्थापित की। मपेई रीजनल मैनेजर आशुतोष कंडवाल ने बताया कि हमने अब तक 50 करोड़ का निवेश किया है और विस्तार के लिए 30 करोड़ और निवेश करने जा रहे हैं। मपेई फैक्ट्री रोजगार, अच्छा वातावरण और सीएसआर प्रदान करता है, मपेई कोसी कलां फैक्ट्री से प्रति वर्ष 100 करोड़ व्यवसाय की उम्मीद करता है। इसके अलावा आईटीए (इटैलियन व्यापार एजेंसी) कमिश्नर एलेसेंड्रो लिबर्टोरी ने बताया कि यूपीजीआईसी भारत और इटली के बीच द्विपक्षीय व्यापार संबंधों को मजबूत करेगा।

'भगवा पार्टी वाशिंग मशीन, दागी भी संत बन जाता है'

» ममता ने कहा-देश को जनता की सरकार स्थापित करना चाहिए

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की विधानसभा में फिर एक बार केंद्र की बीजेपी सरकार पर ममता बनर्जी ने हमला किया है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि देश को जनता की सरकार स्थापित करने और अराजकता खत्म करने का प्रयास करना चाहिए। बंगाल में हिंसा और भ्रष्टाचार पर बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा की हालिया टिप्पणी के स्पष्ट संदर्भ में बनर्जी ने विधानसभा में कहा कि उनके राज्य में देश के अन्य हिस्सों की तुलना में कानून और व्यवस्था की स्थिति बेहतर है।

मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि बीजेपी यहां आकर बड़े-बड़े दावें करती हैं। वो दूसरे राज्यों में क्यों नहीं जाते? क्योंकि इनका दांव बाहर कहीं नहीं चलता है और बंगाल में आकर बड़ी बातें करते हैं। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी कहा, भाजपा ऐसा व्यवहार कर रही है कि वह ईमानदार नेताओं की एकमात्र पार्टी है और हमारी पार्टी चोरों की है। भगवा पार्टी वाशिंग मशीन की तरह है जिसमें शामिल होकर दागी भी संत बन जाते हैं। ऐसा लगता है कि बीजेपी में सब धुले हैं। मुख्यमंत्री ने सवाल किया, कि उन्होंने हमारे लोगों को कोयला घोटाले में गिरफ्तार किया लेकिन कोयला खदानों और केंद्र के स्वामित्व वाले कोल इंडिया व ईसीएल के अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई नहीं की। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने यह भी आरोप लगाया कि, सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने राज्य के सीमावर्ती इलाकों में आतंक फैला रखा है। सीमावर्ती इलाकों में बेगुनाह लोगों को मारा जा रहा है। केंद्र इन घटनाओं की जांच के लिए यहां केंद्रीय टीम क्यों नहीं भेजी जाती। केंद्र सरकार तृणमूल कांग्रेस के खिलाफ दुर्भावना फैला रही है। पार्टी व सरकार की छवि को भ्रष्ट दिखाने की कोशिश की जा रही है। ममता बनर्जी ने बीजेपी को आड़े हाथ लेते हुए कहा कि जनता ही बीजेपी को सबक सिखाएगी।

मुख्यमंत्री बोलीं-दुर्भावना फैला रही बीजेपी

सुवेंदु अधिकारी के बचाव में क्यों उतरीं दीदी

कोलकाता। बंगाल विधानसभा में राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा के दौरान जमकर हंगामा हुआ। नेता प्रतिपक्ष व भाजपा विधायक सुवेंदु अधिकारी द्वारा हंगामा और स्पीकर के खिलाफ नारेबाजी पर तृणमूल कांग्रेस विधायक तापस राय ने उन्हें सदन से 20 फरवरी तक निलंबित करने का प्रस्ताव विधानसभा में पेश किया। तृणमूल कांग्रेस विधायक तापस राय ने सुवेंदु के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की मांग की, लेकिन बाद में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने विधानसभा स्पीकर बिमान बनर्जी से अपील की है कि इस तरह का प्रस्ताव नहीं स्वीकारा जाए। सीएम के इस हस्तक्षेप के बाद स्पीकर ने तापस राय से प्रस्ताव वापस लेने की अपील की। इस पर स्पीकर की अपील को स्वीकार करते हुए राय ने निलंबन प्रस्ताव वापस ले लिया।

बीबीसी पर आयकर के छापे, देश आपातकाल की तरह क्यों बढ़ रहा

» बीबीसी वर्ल्ड सर्विस के तहत ऑपरेट होता है दिल्ली ऑफिस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। बीबीसी के दिल्ली और मुंबई ऑफिस पर आयकर विभाग की टीम के छापा मारा है। जानकारी के मुताबिक, आईटी की 60 से 70 लोगों की टीम रेड में शामिल है। सूत्रों ने बताया कि एक्शन के दौरान स्टाफ के फोन बंद करा दिए गए हैं। साथ ही किसी को परिसर में आने-जाने से रोक दिया गया है। बीबीसी इंडिया के मैनेजमेंट ने रेड की सूचना लंदन हेडक्वार्टर को दे दी है। इस छापे के बाद राजनीतिक दलों ने बीजेपी की मोदी सरकार पर हमला तेज कर दिया है।

मुंबई के सांताक्रूज इलाके में बीबीसी स्टूडियोज पर भी इनकम टैक्स विभाग की टीम पहुंची है। आयकर विभाग के सूत्रों के अनुसार, बीबीसी पर इंटरनेशनल टैक्स में गड़बड़ी का आरोप है। इसी को लेकर सर्वे किया जा रहा है। हालांकि, आयकर विभाग या बीबीसी की तरफ से अब इस रेड को लेकर कोई आधिकारिक जानकारी नहीं दी गई है। मुंबई के सांताक्रूज इलाके में इसी इमारत में बीबीसी के ब्यूरो का ऑफिस है। यहां आईटी रेड जारी है। कांग्रेस ने इस छापे की कार्रवाई को अघोषित आपातकाल है। कांग्रेस पार्टी के आधिकारिक ट्विटर हैंडल से एक ट्वीट किया गया है। ट्वीट में लिखा है, पहले बीबीसी की डॉक्युमेंट्री आई, उसे बैन किया गया। दिल्ली में इस इमारत में बीबीसी का ऑफिस है। यहीं पांचवें और छठवें फ्लोर पर आईटी ने रेड की है। दिल्ली में इस इमारत में बीबीसी का ऑफिस है। यहीं पांचवें और छठवें फ्लोर पर आईटी ने रेड की है। आयकर विभाग के सूत्रों के अनुसार, बीबीसी पर इंटरनेशनल टैक्स में गड़बड़ी का आरोप है। इसी को लेकर सर्वे किया जा रहा है। हालांकि, आयकर विभाग या बीबबीसी की तरफ से अब इस रेड को लेकर कोई आधिकारिक जानकारी नहीं दी गई है।

इधर, कांग्रेस ने ट्वीट कर इसे अघोषित आपातकाल बताया है। ब्रिटिश ब्रॉडकास्टिंग कोर्पोरेशन (बीबीसी) वर्ल्ड सर्विस टेलीविजन ब्रिटिश सरकार की संस्था है। यह 40 भाषाओं में खबरें प्रसारित करता है। ब्रिटेन की संसद के ग्रांट के जरिए इसकी फंडिंग करती है। इसका मैनेजमेंट फॉरेन एंड कॉमनवेल्थ ऑफिस के जरिए होता है।

विनाशकाले विपरीत बुद्धि : जयराम रमेश

बीबीसी के ऑफिसों पर रेड के बाद कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा- यहां हम अडाणी के मामले में जेपीसी की मांग कर रहे हैं और वहां सरकार बीबीसी के पीछे पड़ी हुई है। विनाशकाले विपरीत बुद्धि। रमेश ने मंगलवार को यह आरोप भी लगाया कि केंद्र सरकार अडाणी-हिंडनबर्ग मामले में जेपीसी जांच से भाग रही है। जयराम रमेश का यह बयान केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के उस इंटरव्यू के बाद आया है जिसमें उन्होंने कहा था भारतीय जनता पार्टी के पास छिपाने या डरने के लिए कुछ भी नहीं है। जयराम रमेश ने कहा कि उन्होंने अडानी मामले की निष्पक्ष जांच के लिए आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास और सेबी प्रमुख माधबी पुरी बुच को लेटर लिखा है।

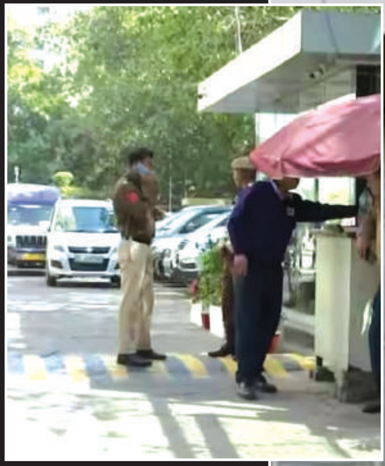

सांसद महुआ मित्रा बोलीं- यह चौंकाने वाला

बीबीसी के ऑफिसों पर आईटी रेड की खबर को टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा ने चौंकाने वाली खबर बताया है। मोइत्रा ने ट्वीट किया- बीबीसी के दिल्ली दफ्तर में आयकर की छापेमारी...बहुत खूब...चौंकाने वाला।

आपातकाल की बात न करे कांग्रेस : भाजपा

कांग्रेस के बयान के बाद भाजपा सांसद राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने कहा कि कांग्रेस आपातकाल की बात न करे। प्रेस की आजादी की बात करने वाले खुद आइना देखें। उन्होंने कहा -एओ. ह्यूम की बनाई पार्टी कांग्रेस का चाल, चरित्र अभी भी ब्रिटिश ही है। लगता है अंग्रेजों ने 1947 में भारत छोड़ने के बाद बीबीसी के विघटनकारी एजेंडे को देश में आगे बढ़ाने का काम कांग्रेस को सौंप दिया था। खैर, आपातकाल और प्रेस की आजादी की बात करने वालों को आईना जरूर देखना चाहिए।

16 फरवरी को नहीं होगा दिल्ली एमसीडी मेयर चुनाव का मतदान

» सुप्रीम कोर्ट अब 17 को करेगा सुनवाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। एमसीडी मेयर पद चुनाव मामले पर सुप्रीम कोर्ट में 17 फरवरी को सुनवाई होगी। फिलहाल 16 फरवरी को मतदान नहीं होगा। सोमवार (13 फरवरी) को हुई सुनवाई में उपराज्यपाल कार्यालय की तरफ से कोर्ट को बताया गया कि चुनाव कोर्ट की सुनवाई के बाद ही करवाया जाएगा।

आम आदमी पार्टी की तरफ से दाखिल याचिका में प्रोटेम सभापति बदलने और मनोनीत पार्षदों को मतदान से अलग रखने की मांग की गई है। इस पर चीफ जस्टिस डी वाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली 3 जजों की बेंच ने पिछले हफ्ते उपराज्यपाल कार्यालय और प्रोटेम सभापति सत्या शर्मा को नोटिस जारी किया था।

शिवसेना बनाम शिंदे गुट की लड़ाई, सीजेआई ने शिंदे गुट से कहा- पहले ठाकरे गुट को बहस करने दीजिए

» सुप्रीम कोर्ट में पांच जजों के संविधान पीठ ने मामले की सुनवाई शुरू

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। शिवसेना बनाम शिवसेना मामले की सुप्रीम कोर्ट में पांच जजों के संविधान पीठ मामले की सुनवाई कर रही है, शिंदे गुट के लिए वरिष्ठ वकील हरीश साल्वे ने उद्धव गुट की मांग पर प्रारंभिक आपत्ति जताई है।

कहा कि मामले को लेकर जब वो नए स्पीकर के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट आए थे, तो खुद उन्होंने नबाम रेबिया के फैसले पर भरोसा किया था, अब वो इस पर सवाल उठाते हुए बड़ी बेंच को भेजने की मांग कर रहे हैं, कह रहे हैं कि इस पर पुनर्विचार हो। मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि पहले ठाकरे गुट को बहस करने दीजिए, आप बाद में जवाब दे सकते हैं। ठाकरे गुट की ओर से कपिल सिब्बल ने कहा कि हम नबाम रेबिया की इसलिए जांच की मांग कर रहे हैं, क्योंकि यह अयोग्य विधायकों के लिए एक उपकरण बन गया है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि स्पीकर अयोग्यता नोटिस पर कार्रवाई ना कर पाए, फिर राजनीति हावी हो जाती है, फिर सरकार गिरा दी जाती है और नया स्पीकर आ जाता हैं।

क्या है मामला

दरअसल उद्धव ठाकरे ग्रुप की ओर से मांग की गई है कि अरुणाचल प्रदेश मामले में नबम रेबिया केस के फैसले को सात जजों के पीठ में भेजा जाए, वहीं एकनाथ शिंदे गुट ने सुप्रीम कोर्ट में हलफनामा दाखिल किया है, जिसमें उद्धव गुट के मामले को 7 जजों या 9 जजों की पीठ में भेजने का विरोध किया है, हलफनामे में कहा गया है कि अरुणाचल प्रदेश का नबाम रेबिया फैसला विधायकों की अयोग्यता तय करने के विधानसभा स्पीकर के अधिकार को नहीं छीनता है, शिंदे कैंप के इस जवाब का मतलब ये है कि शिंदे कैंप नबम रेबिया फैसले पुनर्विचार नहीं चाहता है।

सड़क पार करते 17 महिलाओं को कुचला, पांच की मौत

» पुणे-नासिक हाईवे पर वैन से हुआ हादसा, 12 घायल, चालक फरार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पुणे। महाराष्ट्र के पुणे-नासिक हाईवे पर सोमवार देर रात एक एसयूवी कार ने 17 महिलाओं को कुचल दिया। 5 महिलाओं ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। 12 महिलाएं गंभीर रूप से घायल हैं। इनका इलाज किया जा रहा है। पुणे शहर से करीब 50 किलोमीटर दूर शिरोली गांव के पास की यह घटना है।

पुलिस अधिकारी ने कहा कि 2 महिलाओं की मौके पर, जबकि 3 महिलाओं की इलाज के दौरान मौत हुई। अज्ञात कार चालक फरार है। आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर पुलिस उसकी तलाश कर रही है। सभी महिलाएं काम से घर लौट रही थीं। शुरुआती जानकारी के मुताबिक, सभी महिलाएं रसोइया का काम करती हैं। सोमवार की रात लगभग 11 बजे कार्यक्रम से अपना काम खत्म कर घर लौट रही थीं। पुणे की बस से खरपुड़ी फाटा पर उतरी थीं। इसी दौरान सड़क पार करते समय हादसा हुआ। पुणे की तरफ से आ रही तेज रफ्तार वैन ने महिलाओं को जोरदार टक्कर मार दी। महाराष्ट्र के पालघर में एक कार ड्राइवर ट्रैफिक पुलिस कांस्टेबल को गाड़ी के बोनट पर 1 किमी तक लेकर घूमता रहा। बाद में कार ड्राइवर को गिरफ्तार कर लिया गया। कार चालक के पास वैध लाइसेंस नहीं था, इसीलिए वह कार्रवाई से बचने के लिए भाग रहा था। आरोपी को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ हत्या के प्रयास का केस दर्ज किया गया है। अब इस घटना का वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

पुलिस के सामने पति ने पत्नी को मारी गोली

मथुरा। मथुरा में थाना रिफाइनरी क्षेत्र के गांव भाहई में मंगलवार की सुबह पुलिस के सामने पति ने पत्नी की गोली मारकर हत्या कर दी। दिनदहाड़े हुई वारदात से गांव में सनसनी फैल गई। गोली माथे पर दागी थी। घटना स्थल पर ही महिला की मौत हो गई। घटना के बाद आरोपित फरार हो गया। एसएसपी ने घटनास्थल का निरीक्षण कर आरोपित की गिरफ्तारी के लिए सर्विलांस, एसओजी समेत रिफाइनरी सर्किल का फोर्स लगाया है। गांव भाहई निवासी गंगा सिंह की पत्नी सोनिया (29) आठ-नौ महीने अपने प्रेमी के साथ चली गई थी।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** **डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020**

*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।